News सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-35
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

**आज का विचार**

दयालु बनो, हर कोई एक कठिन लड़ाई लड़ रहा है.

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

# सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

इंदौर, सोमवार, 13 मई 2024

# मध्य प्रदेश में 11 बजे तक 32.38 प्रतिशत मतदान

## देवास में सर्वाधिक 35.83 फीसदी वोटिंग

### 96 सीटों पर वोटिंग जारी, अब तक मध्य प्रदेश और बंगाल में सबसे ज्यादा मतदान

लोकसभा चुनाव के चौथे चरण के तहत मध्य प्रदेश की आठ लोकसभा सीटों पर मतदान की प्रक्रिया जारी है। मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की लंबी कतारे लगी हुई है। इसके साथ ही 104 वर्षीय बुजुर्ग भी मतदान के लिए पहुंचे हैं। मतदान प्रक्रिया शाम छह बजे तक चलेगी।

*देश में लोकसभा चुनाव के लिए 13 मई को चौथे चरण में 10 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों की 96 सीटों पर मतदान हो रहा है। चौथे चरण में उत्तर प्रदेश की 13 सीटों, पश्चिम बंगाल की 8 सीटों, जम्मू कश्मीर की 5 सीटों, तेलंगाना की 17 सीटों व ओडिशा की 4 सीटों पर प्रत्याशियों की किस्मत ईवीएम में कैद हो जाएगी। वहीं आंध्र प्रदेश की 25 सीटों, बिहार की 5 सीटों, झारखंड की 4 सीटों व मध्य प्रदेश की 8 सीटों व महाराष्ट की 11 सीटों पर भी सुबह सात बजे से वोट डाले जा रहे हैं। मतदान प्रक्रिया शाम छह बजे तक चलेगी।चौथे चरण में कई हाई प्रोफाइल नाम हैं जिनकी किस्मत दांव पर लगी हुई है। उत्तर प्रदेश की कन्नौज सीट से पूर्व मुख्यमंत्री व समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव, बिहार के बेगूसराय से केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, उजियारपुर से केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय, बहरामपुर से कांग्रेस के दिग्गज नेता अधीर रंजन चौधरी, तेलंगाना के हैदराबाद से एआईएमआईएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी, लखीमपुर खीरी से केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा के भविष्य का फैसला चौथे चरण में मतदाता करेंगे।*

#### सीएम मोहन यादव ने परिवार के सदस्यों के साथ किया मतदान, बुजुर्ग मतदाता की मदद की

*सीएम यादव ने मतदान केंद्र पर 81 वर्षीय बुजुर्ग नर्मदा बाई की सहायता की। उन्होंने बुजुर्ग नर्मदाबाई की व्हीलचेयर को रैंप पर चढ़ाया और मतदान कक्ष तक पहुंचाया। मुख्यमंत्री डॉ यादव के साथ उनकी पत्नी सीमा यादव, पुत्र वैभव यादव और अभिमन्यु यादव के साथ आज सुबह फ्रीगंज स्थित सिन्धी अलखधाम धर्मशाला में बने बूथ क्रमांक- 60 पर पहुंचे। आम मतदाताओं के साथ कतार में लगकर सीएम मोहन यादव ने अपने मत का प्रयोग किया।मतदान से पूर्व अपने पिता का मुख्यमंत्री मोहन यादव ने आशीर्वाद लिया।*

धार जिले के मतदान केंद्र 68 पर दुल्हन मतदान करने पहुंची।

## झारखंड के मंत्री आलमगीर आलम को ईडी ने 14 मई को किया तलब

**रांची।** 36 करोड़ रुपये की नकदी बरामदगी का मामला इन दिनों चचाओं में है। प्रवर्तन निदेशालय ने झारखंड के ग्रामीण विकास मंत्री और कांग्रेस नेता आलमगीर आलम को तलब किया है। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 14 मई को उनसे पूछताछ की जाएगी। उन्हें रांची में ईडी के जोनल कार्यालय में उपस्थित होने के लिए कहा गया है। सूत्रों की मानें तो आलम को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत बयान दर्ज कराने के लिए बुलाया गया है। ईडी ने पिछले सोमवार को मंत्री के सचिव संजीव लाल और उसके नौकर जहांगीर आलम, बिल्डर मुन्ना सिंह और उनके करीबियों समेत नौ ठिकानों पर छापेमारी की थी। कार्रवाई राज्य ग्रामीण विकास विभाग में कथित अनियमितताओं के मामले में की गई थी। छापेमारी के तहत रांची के एक 2 बेडरूम फ्लैट में छापा मारा गया। यह फ्लैट कथित तौर पर संजीव लाल के नौकर जहांगीर आलम का है। इस फ्लैट से ईडी ने 32 करोड़ रुपये बरामद किए। वहीं अन्य ठिकानों पर छापेमारी से तीन करोड़ रुपये नकद बरामद किए। इस तरह अब तक कुल 35 करोड़ रुपये की नकदी बरामद हो चुकी है। वहीं झारखंड के ग्रामीण विकास मंत्री और कांग्रेस नेता आलमगीर आलम ने अपनी ओर से कोई भी गलत काम से इनकार किया है। छापेमारी में बड़ी संख्या में नकदी बरामद हुई, जिसकी गिनती के लिए नोट गिनने वाली पांच मशीने और बैंक के कर्मचारियों को लगाया गया। ईडी ने छापेमारी में जमीन जायदाद के दस्तावेज भी बरामद किए हैं।

## दिल्ली में स्कूलों के बाद अब अस्पतालों को मिली बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। दिल्ली में स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी देने के बाद अब दो अस्पतालों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। धमकी देने वाले ने इस बार भी पुराने पैटर्न को दोहराते हुए ईमेल भेजा है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक ये धमकी भरा मेल संजय गांधी अस्पताल और बुरारी अस्पताल के पास आया है। अस्पतालों द्वारा शिकायत मिलने के बाद मौके पर पुलिस के अलावा दमकल विभाग और तमाम सिविक एजेंसियां, बम और डॉग स्क्वायड मौके पर पहुंच गए। अस्पताल में तलाशी अभियान जारी है। हालांकि अस्पताल के परिसर से कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। एक मई को सुबह 223 स्कूलों में बम रखे होने के ई-मेल भेजे गए थे। ईमेल में नफरती भाषा का इस्तेमाल किया गया था। ईमेल में लिखा था, ह्रहमारे हाथों में जो लोहा है। वह हमारे दिलों को गले लगाता है। इंशाअल्लाह, हम इन्हें हवा में उड़ा कर तुम्हारे शरीर के टुकड़े-टुकड़े कर देंगे। तुम्हारे घिनौने शरीरों को चीर देंगे। हम तुम्हारी गर्दन और चेहरे को फाड़ देंगे। अल्लाह की मर्जी हुई तो हम तुम्हें आग की लपटों में डाल देंगे। जिससे तुम्हारा दम घुट जाएगा। काफिरों के लिए जहन्नुम में अलग आग है। काफिरों... इंशाअल्लाह, तुम इसी आग में हमेशा के लिए जल जाओगे।

## महामंडलेश्वर मंदाकिनी पुरी पर हर्बल कंपनी ने लगाया ठगी का आरोप

उज्जैन। धोखाधड़ी के आरोप में महामंडलेश्वर पद से निष्कासित हुई मंदाकिनी उर्फ ममता जोशी की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही है। उन पर जयपुर के महामंडलेश्वर ने 8 लाख 90 हजार की धोखाधड़ी का आरोप लगाया तो वहीं खबर लगते ही जयपुर के एक बिजनेस मैन ने भी 2 लाख रुपए की धोखाधड़ी की शिकायत अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष से की है। बताया जाता है कि मंदाकिनी बाबा रामदेव की तरह हर्बल प्रोडक्ट अपने नाम के साथ बाजार में बेचना चाहती थी, लेकिन इस काम के लिए भी साध्वी ने धोखाधड़ी का रास्ता अपनाया। साध्वी ने जयपुर की कम्पनी से हर्बल जूस और अन्य प्रोडक्ट मंगवाकर उस पर अपना फोटो और स्वयं का नाम लगाकर उसे बेचने की तैयारी कर रही थी, लेकिन प्रोडक्ट नहीं बिका तो मंदाकिनी ने ना माल वापस किया ना ही कंपनी को पेमेंट किया। साध्वी जयपुर निवासी संदीप शर्मा जोठवाड़ा इंडस्ट्रीयल इलाके में हर्बल मैन्युफैक्चरिंग से माल मंगवाया था। इस पूरे मामले में अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रविंद्रपुरी महाराज ने बताया कि मंदाकिनी के द्वारा किए गए फ्राड करोड़ों रुपए के है। कई लोग रोज शिकायत करने पहुंच रहे है। अनेकों शिकायत है कुछ तो ऐसी है कि हम आपको बता भी नहीं सकते। करोड़ों का घोटाला किया गया है। कई साधू और संतों महंतों से चीटिंग की है। अब रोजाना नई नई शिकायत मन्दाकिनी के खिलाफ आ रही हैं।

# अंग्रेजों की पोषक है कांग्रेस, अपने कर्मों से हो रही समाप्तः डॉ. मोहन यादव

### कांग्रेस में जो समझार, वे पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कांग्रेस पार्टी अंग्रेजों की पोषक है। वह अपने कर्मों से ही समाप्त हो रही है। कांग्रेस पार्टी में जो समझदार व्यक्ति हैं, वे पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए हैं, क्योंकि उन लोगों को पता है कि कांग्रेस पार्टी डूबने वाली है। कांग्रेस अपने कर्मों से समाप्त हो रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को भाजपा के प्रदेश कार्यालय में हुई चुनाव प्रबंधन की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी के गुरू सैम पित्रोदा विरासत टैक्स लगाने की बात करते हैं, मणिशंकर अय्यर पाकिस्तान की भाषा बोलते हैं। उनकी पार्टी के महाराष्ट्र के नेता नाना पटोले कहते हैं कि राम मंदिर को अपवित्र कर दिया, हम राम मंदिर को गंगाजल से धोएंगे। हमारे देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के अयोध्या में भगवान श्रीराम के दर्शन करने के पश्चात कांग्रेस के नेता राम मंदिर को गंगाजल से धोने की बात करके राष्ट्रपति के साथ देश के अनुसूचित जनजाति समाज का अपमान किया है। इस तरह की मानसिकता के लोग कांग्रेस को खुद ही समाप्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सोमवार को चौथे चरण में मालवा-निमाड़ की आठ लोकसभा सीटों पर मतदान होने जा रहा है। भाजपा कार्यकर्ता पूरी ईमानदारी से अपने कार्य कर रहे हैं। चुनाव प्रबंधन में लगे पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं और संगठन की मेहनत से मालवा-निमाड़ की आठ सहित मध्यप्रदेश की सभी 29 सीटों पर भाजपा ऐतिहासिक बहुमत से चुनाव जीत रही है। नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए मध्यप्रदेश के मतदाता भाजपा को आशीर्वाद प्रदान कर रहे हैं।

**मप्र की सभी 29 लोकसभा सीटों पर प्राप्त होगी ऐतिहासिक विजयः विष्णुदत्त शर्मा** भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने बैठक में कहा कि मध्यप्रदेश में दूसरे चरण के चुनाव में मतदान प्रतिशत कम हुआ था, लेकिन भाजपा के बूथ कार्यकर्ताओं ने अथक मेहनत की और तीसरे चरण में अच्छा मतदान प्रतिशत रहा। मालवा व निमाड़ की जनता से हमेशा से भाजपा को अपना आशीर्वाद प्रदान किया है। चुनाव प्रबंधन में लगीं सभी 36 टोलियों ने बहुत मेहनत की है। अच्छे चुनाव प्रंधन अैर पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के मार्गदर्शन और बूथ कार्यकर्ताओं की मेहनत से भाजपा मध्यप्रदेश की सभी 29 लोकसभा सीटों पर ऐतिहासिक विजय प्राप्त करने जा रही है। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए मध्यप्रदेश की जनता मतदान कर रही है। कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत से वर्ष 2019 में हुए लोकसभा चुनाव में भाजपा को 58 प्रतिशत वोट मिले थे, इस लोकसभा चुनाव में पार्टी का आठ से दस प्रतिशत वोट शेयर बढ़ने जा रहा है। ुनाव प्रबंध की टीम ने बहुत मेहनत की है। मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए भी कई उल्लेखनीय कार्य किए हैं। सभी की मेहनत से पार्टी ऐतिहासिक सफलता प्राप्त करेगी। अब हम सभी को कल चौथे चरण के मतदान में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए कार्य करना है। मतदान प्रतिशत बढ़ाने सुबह 6 बजे से ही कार्यकर्ता मतदाताओं को वोट देने के लिए पार्टी कार्यकर्ता खासकर युवा कार्यकर्ता लोगों को घर से निकलकर मतदान करने जाने के लिए प्रेरित करें।

**संगठन व कामकाज की दृष्टि से मध्यप्रदेश नंबर वन राज्यः डॉ. महेन्द्र सिंह** लोकसभा चुनाव के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह ने कहा कि मैंने कई राज्यों में प्रवास किया है। कई राज्यों में चुनाव कार्य देखा है, लेकिन संगठन और कामकाज की दृष्टि से मध्यप्रदेश देश में नंबर वन राज्य है। यहां बूथ अध्यक्ष से लेकर प्रदेश अध्यक्ष तक सभी अपने कार्यों को बहुम ईमानदारी व निष्ठा के साथ कार्यों को निर्वहन करते हैं। इतने बड़े राज्य में लोकसभा का पूरा चुनाव संपन्न हो रहा है, संगठन और चुनाव प्रबंधन सभी ने अपने कार्यों को इतने अच्छे से निर्वहन किया है कि दूसरे राज्यों को प्रेरणा लेनी चाहिए। एक कार्यकर्ता कैसा होना चाहिए, उसमें क्या गुण होना चाहिए, यह मप्र के कार्यकर्ताओं में अपने कार्यों से बताया है। वास्तविक कार्यकर्ता कैसा होना चाहिए, यह मप्र के कार्यकर्ताओं से सीखना चाहिए।

## एमडीएच मसालों से कैंसर का खतरा

### अब अमेरिका ने किया रिजेक्ट, स्वास्थ्य चेतावनी जारी

**हैदराबाद** लोकप्रिय भारतीय मसाला ब्रांड एमडीएच कुछ उत्पादों में कथित संदूषण के लिए जांच के दायरे में है, 2021 के बाद से इसके अमेरिकी शिपमेंट का औसतन 14.5 प्रतिशत बैक्टीरिया की उपस्थिति के कारण खारिज कर दिया गया है, जैसा कि अमेरिकी नियामक डेटा के एक रॉयटर्स विश्लेषण से पता चला है। हांगकांग ने पिछले महीने एमडीएच द्वारा बनाए गए तीन मसाला मिश्रणों और एक अन्य भारतीय कंपनी एवरेस्ट द्वारा बनाए गए मसाला मिश्रण की बिक्री को निलंबित कर दिया था, क्योंकि इसमें स्पष्ट रूप से कैंसर पैदा करने वाले कीटनाशकों की उच्च मात्रा थी। एथिलीन ऑक्साइड मानव उपभोग के लिए अनुपयुक्त है और लंबे समय तक इसके संपर्क में रहने से कैंसर का खतरा है। कंपनियों ने कहा है कि उनके उत्पाद सुरक्षित हैं और एमडीएच ने कहा कि वह मसालों के भंडारण, प्रसंस्करण या पैकिंग के किसी भी चरण में एथिलीन ऑक्साइड का उपयोग नहीं करता है। संयुक्त राज्य अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और भारत के अधिकारी इस मामले को देख रहे हैं। दोनों ब्रांड भारत में लोकप्रिय हैं और दुनिया भर में निर्यात किए जाते हैं। भारत दुनिया का सबसे बड़ा मसाला उत्पादक है और मसालों का सबसे बड़ा उपभोक्ता और निर्यातक भी है। सिय्योन मार्केट रिसर्च का अनुमान है कि 2022 में भारत का घरेलू बाजार 10.44 बिलियन डॉलर का था, और मसाला बोर्ड ने कहा कि भारत ने 2022-23 के दौरान 4 बिलियन डॉलर के उत्पादों का निर्यात किया।

नवीनतम जांच से पहले, 100 साल से अधिक पुरानी परिवार संचालित भारतीय कंपनी एमडीएच के उत्पादों को साल्मोनेला, एक बैक्टीरिया जो गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल बीमारी का कारण बन सकता है, की उपस्थिति के कारण संयुक्त राज्य अमेरिका में बिक्री के लिए अस्वीकार कर दिया गया था। यूएस फूड से रॉयटर्स द्वारा संकलित नवीनतम उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर 2023 - जब चालू वित्तीय वर्ष शुरू हुआ - और 3 मई के बीच साल्मोनेला की जांच में विफल होने के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका में एमडीएच के 65 शिपमेंट में से लगभग 20त्न या 13 को अस्वीकार कर दिया गया था। और औषधि प्रशासन (एफडीए)।

### आईसीएमआर ने चेतायाः शीर्ष स्वास्थ्य अनुसंधान निकाय ने कहा- उपभोक्ताओं को जानकारी को ध्यान से पढ़ना चाहिए

# भ्रामक हो सकते हैं डिब्बाबंद खाद्य पदार्थों पर लगे लेबल

नई दिल्ली। पहले बच्चों को दिए जाने वाले खाद्य पदार्थ (बेबी फूड्स) और फिर कई मसालों की गुणवत्ता में पाई गई कमी ने डिब्बाबंद चीजों के सेवन को लेकर लोगों के मन में डर पैदा कर दिया है। इसी से संबंधित एक हालिया बयान में भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने लोगों को सावधान करते हुए कहा है कि पैकेज्ड वस्तुओं पर लगे खाद्य लेबल भ्रामक हो सकते हैं। शीर्ष स्वास्थ्य अनुसंधान निकाय ने जोर देते हुए कहा है कि उपभोक्ताओं को जानकारी को ध्यान से पढ़ना चाहिए। आहार के लिए स्वस्थ विकल्पों का चुनाव करने के लिए थोड़ी सावधानी बरतनी जरूरी है। आईसीएमआर ने कहा कई खाद्य पदार्थ जो शुगर-फ्री होने का दावा करते हैं असल में उनमें वसा की मात्रा अधिक हो सकती है। इसी तरह से अधिकतर डिब्बाबंद फलों के रस में केवल 10 प्रतिशत तक ही फलों का गूदा हो सकता है।

**स्वास्थ्य संबंधी दावे केवल ध्यान खींचने के लिए** अपने आहार दिशानिर्देशों में, आईसीएमआर ने कहा कि पैकड फूड पर स्वास्थ्य संबंधी दावे उपभोक्ताओं का ध्यान खींचने और उन्हें यह समझाने के लिए डिजाइन किए जाते हैं कि उत्पाद स्वस्थ है, लेकिन असल में ये कितने स्वस्थ है इस पर अपने विवेक से ध्यान देना जरूरी है।

**उत्पादों को प्राकृतिक बताकर हो रही है बिक्री** हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय पोषण संस्थान (एनआईएन) ने भारतीयों के लिए जारी किए गए आहार दिशानिर्देश में कहा वैसे तो भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के

सख्त मानदंड हैं लेकिन लेबल में प्रस्तुत जानकारी भ्रामक हो सकती है। उदाहरण देते हुए एनआईएन ने कहा कि किसी खाद्य उत्पाद को प्राकृतिक तभी कहा जा सकता है जब इसमें ऊपर से रंग और स्वाद या कृत्रिम पदार्थ नहीं मिलाए गए हों।

**दावों की दोबारा जांच करें** एनआईएन ने सख्ती बरतते हुए कहा कि देखा जा रहा है कि डिब्बाबंद खाद्य पदार्थों के लिए प्राकृतिक शब्द का प्रयोग अक्सर शिथिल रूप से किया जा रहा है। इसका उपयोग अक्सर निर्माताओं द्वारा किया जाता है भले ही डिब्बाबंद उत्पाद में केवल एक या दो प्राकृतिक अवयवों हों। ये भ्रामक हो सकता है इसलिए लोगों को सामग्री और अन्य जानकारी को ध्यान से पढ़ना जरूरी है। बेहतर सेहत के लिए डिब्बाबंद उत्पादों के लेबल पर किए गए दावों की दोबारा जांच करें।

**प्रोटीन पाउडर को लेकर भी चेतावनी** इससे पहले आईसीएमआर आहार संबंधी दिशानिर्देशों में प्रोटीन सप्लीमेंट्स के कारण होने वाले दुष्प्रभावों को लेकर भी चेताया था। विशेषज्ञों ने कहा शरीर बनाने की चाहत में युवा प्रोटीन पाउडर के नाम पर जाने-अनजाने शरीर के लिए हानिकारक चीजों का सेवन कर रहे हैं। इसके कारण फिटनेस तो ठीक होता नहीं बल्कि डायबिटीज, हृदय रोग और मोटापे जैसी बीमारियों का जोखिम जरूर बढ़ जाता है।

# इंदौर में वोट डालने पर मिला मुफ्त पोहा-जलेबी और आइस्क्रीम

**सिटी चीफ इंदौर।**
इंदौर लोकसभा सीट के लिए सुबह सात बजे से शांतिपूर्ण मतदान चल रहा है। चुनाव आयोग ने मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिए अनेक तरह की कवायद की है। उल्लेखनीय है कि शहर के शॉपिंग मॉल के साथ ही खानपान की दुकानों और मनोरंजन के स्थानों पर मतदाताओं के लिए आकर्षक ऑफर और उपहार रखे गए हैं। इंदौर में कुछ मतदान केंद्रों पर सुबह सात बजे से पहले ही वोट डालने वालों की कतार लगनी

आरंभ हो गई थी। सुबह मौसम सुहाना होने और गर्मी का असर नहीं होने से भी अनेक लोग सुबह वोट डालने मतदान केंद्रों पर पहुंच गए थे। मुफ्त नाश्ता और आइस्क्रीन मिलने की सूचना पर इंदौर की प्रसिद्ध 56 दुकान पर बड़ी संख्या में पोहे-जलेबी के शौकीन लोग मतदान कर पहुंच गए थे। शहर की 56 दुकान एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने सुबह सात बजे से नौ बजे के बीच वोट डालने वालों को निशुल्क पोहा-जलेबी देने की घोषणा की थी। अन्य स्थानों पर भी खानपान की दुकानों पर आकर्षक ऑफर हैं।

# प्रेम-विवाह करने पर युवक के भाई को मारी गोली, मौत, अस्पताल में हंगामा

**सिटी चीफ इंदौर।**
आजाद नगर थाना क्षेत्र के नूरानी मस्जिद इलाके में रविवार देर रात गोली मार कर एक युवक की हत्या कर दी गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आरोपित आरिफ खिलजी ने मोईन खान को गोली मार दी गई। जिससे उसकी मौत हो गई।

**प्रेम-प्रसंग का मामला**
पुलिस के अनुसार यह मामला प्रेम प्रसंग का बताया जा रहा है। बताया जाता है कि मोईन के भाई ने प्रेम विवाह किया था, जिस वजह से इस तरह के विवाद की स्थिति बनी थी। गोलीकांड के बाद जब युवक का शव एमवाय अस्पताल लाया गया तो युवक के स्वजन ने हंगामा किया।

**गोली मारने की दी थी धमकी**
आरोपित ने मोईन को गोली मारने की धमकी दी थी। स्वजन ने पुलिस पर आरोप लगाया है कि पुलिस थाने वाले आरोपितों को चाय पिलाते और छोड़ देते हैं। इस लापरवाही ने मेरे जवान बच्चे को मार डाला। उल्लेखनीय है कि 24 घंटे में शहर में हत्या का यह दूसरा मामला हुआ।

# हर चुनाव में लहर पर सवार रहता है मालवा-निमाड़

**सिटी चीफ इंदौर।**
मध्य प्रदेश में लोकसभा चुनाव अब मालवा और निमाड़ की आठ सीटों पर आकर सिमट गया है। यहां सोमवार को मतदान होगा। इस चरण में दांव पर लगी सभी सीटों पर भाजपा का कब्जा है। भाजपा इन सभी सीटों पर दोबारा जीत के लिए दम लगा रही है, वहीं कांग्रेस भी भाजपा के इन गढ़ों में सेंध लगाने का दावा कर रही है।मालवा-निमाड़ की कई सीटें कांग्रेस और भाजपा के दिग्गज नेताओं का गृह क्षेत्र भी है। ऐसे में इन दिग्गजों की प्रतिष्ठा भी यहां दांव पर लगी है। पिछले कुछ चुनावों के परिणामों को देखें तो मालवा-निमाड़ अंचल हर बार लहर के साथ नजर आया है। जब कोई लहर नहीं रहती है तो यहां के परिणाम भी मिले-जुले रहते हैं। वर्ष 1977 में जब आपातकाल के बाद चुनाव हुए तो यहां की आठ सीटों पर कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया था। इसके 1984 में जब इंदिरा गांधी की हत्या के बाद राजीव गांधी की लहर थी तो पूरी सीटें कांग्रेस के हाथ में चली गई थी। इसके बाद 1989 में जब राम मंदिर का मुद्दा चर्चा में आया था तो झाबुआ को छोड़कर शेष सात सीटें भाजपा ने जीत ली थी। इसके 1991 में राजीव गांधी की हत्या के बाद कांग्रेस की लहर में परिणाम जरूर थोड़े उलट रहे थे। तब भाजपा ने यहां पांच सीटों पर कब्जा जमाया था, कांग्रेस को मात्र तीन सीटें ही मिल पाई थी। इसके बाद 2014 और 19 में मोदी लहर में यहां की आठों सीटों पर भाजपा का कब्जा रहा है। इस बार मालवा-निमाड़ किस करवट बैठता है, ये चार जून को पता चलेगा।

**इस बार लहर या नहीं**

लोकसभा चुनाव 2024 के तीन चरणों का मतदान हो चुका है। इन तीनों चरणों में मतदान पिछले चुनाव की तुलना में कम हुआ है। चुनाव विश्लेषकों की मानें तो अब तक के मतदान से इतना तो साफ हो गया है कि इस बार कोई लहर नहीं है। अब तक किसी भी मुद्दे पर मतदाताओं के बीच ध्रुवीकरण नहीं हो पाया है। ऐसे में इस बार कोई लहर है या नहीं, ये चार जून को परिणाम आने के बाद ही स्पष्ट होगा।

**दिग्गजों की प्रतिष्ठा भी दांव**

मालवा-निमाड़ अंचल से इस बार कई दिग्गजों की प्रतिष्ठा भी दांव पर लगी हुई है। प्रदेश के मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन से आते हैं। अपने गृह क्षेत्र और अंचल में मुख्यमंत्री बनने के बाद ये उनकी पहली परीक्षा है। वे यहां से अपनी पार्टी को बड़ी जीत दर्ज कराना चाहते हैं। उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा और कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय भी मालवांचल से ही आते हैं, वे इस चुनाव में कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

# शादीशुदा महिला के साथ दुष्कर्म
## मतांतरण का बनाया दबाव, केस दर्ज

**सिटी चीफ इंदौर।**
आजाद नगर थाना क्षेत्र में शादीशुदा महिला के साथ दुष्कर्म और लव जिहाद का मामला सामने आया है। महिला की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार पुलिस ने महिला की शिकायत पर मोइन शेख निवासी कोहिनूर कॉलोनी के खिलाफ दुष्कर्म और मध्य प्रदेश धार्मिकता स्वतंत्रता अधिनियम के तहत केस दर्ज किया है।

**मतांतरण का बनाया दबाव**
बताया गया कि पीड़िता बेटियों के साथ पति से अलग रहती है। मोइन ने उससे दोस्ती की और शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किया। जिसके बाद आरोपी ने महिला की बेटियों को जान से मारने की धमकी दी और कहा कि मतांतरण कर मुस्लिम बनना पड़ेगा। इस घटनाक्रम के बाद शनिवार रात महिला थाने पहुंची।

**पति से विवाद के बाद फांसी लगाई**
इधर, खजराना थाना क्षेत्र अंतर्गत विनय नगर में शकुंतला चौहान नामक महिला ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाया है। पुलिस के मुताबिक शकुंतला को दो दिन पूर्व पति सुनील चौहान से विवाद हुआ था। संभवत:इसी कारण फांसी लगाई है। पुलिस महिला के स्वजनों से भी पूछताछ कर रही है।

# इंदौर में हास्टल के केयर टेकर ने तीसरी मंजिल से कूदकर दी जान

**सिटी चीफ इंदौर।**
स्कीम-78 में हास्टल के केयर टेकर ने तीसरी मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। लसूड़िया पुलिस ने मर्ग कायम किया है। आत्महत्या के कारणों की जांच जारी है। एसआइ महेंद्र मकासरे के मुताबिक मृतक का नाम रवि रामलाल गोचर है। मूलत: बूंदी (राजस्थान) निवासी रवि हास्टल में नौकरी करता था। शनिवार को चचेरे भाई और दोस्तों के साथ शराब पी थी। इसके बाद तीसरी मंजिल से दीवार से लटकर कूद गया। घटना सीसीटीवी कैमरे में भी रिकार्ड हुई है।

**पति से विवाद के बाद फांसी लगाई**
खजराना थाना क्षेत्र अंतर्गत विनय नगर में शकुंतला चौहान ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने शव का पोस्ट मार्टम करवाया है। पुलिस के मुताबिक शकुंतला को दो दिन पूर्व पति सुनील चौहान से विवाद हुआ था।संभवत:इसी कारण फांसी लगाई है। पुलिस महिला के स्वजनों से भी पूछताछ कर रही है। दोनों एक इमारत में काम करते थे।

**प्रापर्टी ब्रोकर दौड़ा-दौड़ा कर पीटा**
प्रापर्टी बिकवाने गए प्रापर्टी ब्रोकर की लोगों ने डंडो से पिटाई कर दी। लोगों ने दौड़ा-दौड़ा कर पीटा।मामला थाने पहुंचा तो पुलिस ने दोनों पक्षों के विरुद्ध केस दर्ज कर लिया। घटना एरोड्रम थाना क्षेत्र स्थित छोटा बांगड़दा स्थित श्रीराम नगर की है। स्मृतिनगर निवासी विनोद सेन श्रीराम नगर में हेमलता बाई का प्लाट बिकवाने के लिए साथी कुदुल अली, विवेक परमार के साथ गया था। आरोपित मेवालाल गुर्जर साथियों को लेकर आया और हमला कर दिया। उधर सुखलाल गुर्जर ने विनोद, कुदुल और विवेक के खिलाफ रिपोर्ट लिखवाई है।

# महिला के साथ वीडियो बनाकर वकील से ऐंठे रुपये, शिकायत दर्ज

**सिटी चीफ इंदौर।**
जिला कोर्ट के वकील को महिला के जरिए बुलाकर ब्लैकमेल करने और वीडियो वायरल करने की धमकी देकर 13 हजार रुपये ऐंठने का मामला सामने आया है। पीड़ित वकील की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। संयोगितागंज पुलिस के मुताबिक श्री कुशवाह नगर निवासी रोहित हीरालाल जाट द्वारा आरोपी हेमा, दीपक और कृष्णा विजयवर्गीय के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई है। रोहित ने पुलिस को बताया वह जिला कोर्ट के वकील है। 10 मई को हेमा ने कोर्ट संबंधित कार्य के लिए कॉल कर बुलाया था।

**पुलिस ने दर्ज किया केस**
पीड़ित ने बताया कि रात करीब साढ़े नौ बजे एमवाय अस्पताल के मेन गेट पर वह पहुंचे और हेमा से चर्चा की। इस दौरान कुछ लोगों ने बातचीत करते हुए वीडियो बना लिया और कहा कि वायरल कर बदनाम कर देंगे। आरोपियों ने 30 हजार रुपये की मांग की और 13 हजार रुपये छीन लिए। आरोपियों द्वारा कॉल कर बार बार रुपये मांगने पर शनिवार रात रोहित थाने पहुंचा और तीनों के खिलाफ केस दर्ज करवाया।

# उज्जैन में पोलिंग बूथ पर कांग्रेस प्रत्याशी महेश परमार धरने पर बैठे

**उज्जैन।** उज्जैन आलोट संसदीय क्षेत्र के कांग्रेस प्रत्याशी महेश परमार सोमवार सुबह 8:30 बजे उज्जैन दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में स्थित मतदान केंद्र क्रमांक 37 पर धरने पर बैठ गए। उन्होंने इस केंद्र पर नियुक्त आरती नामक आंगनवाड़ी कार्यकर्ता द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पक्ष में वोट की अपील करने का आरोप लगाया। इस घटना को लेकर कुछ देर तक विवाद की स्थिति

बन गई। अपनी गलती के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ता द्वारा माफी मांगे जाने का वीडियो दिखाते हुए कांग्रेस ने उज्जैन कलेक्टर और जिला निर्वाचन अधिकारी को शिकायत की।

**कलेक्टर ने पीठासीन अधिकारी को बदल दिया**
इसके बाद कार्रवाई के रूप में उज्जैन कलेक्टर ने पीठासीन अधिकारी को बदल दिया। इसके बाद महेश परमार ने धरना समाप्त कर दिया। उन्होंने मीडिया से कहा कि ये वीडियो प्रमाण है कि इस चुनाव में कैसे अधिकारी - कर्मचारी भारतीय जनता पार्टी के एजेंट बनकर काम कर रहे हैं।

# बैंक मैनेजर से लिफ्ट ली और उनके बैग से उड़ा दिए डेढ़ लाख रुपये

**उज्जैन।** बैंक मैनेजर से एक युवक ने बाइक पर लिफ्ट ले ली। इसके बाद उसकी पीठ पर टंगे बैग से डेढ़ लाख रुपये निकाल लिए। बैंक पहुंचने के बाद मैनेजर को रुपये नदारद मिले, जिसके बाद उसने पुलिस को शिकायत की। पुलिस ने आरोपित को हिरासत में ले लिया है। आरोपित ने रुपये निकालना कबूल कर लिया है। पुलिस ने बताया कि राहुल चौधरी निवासी संजय नगर आइएफएल गोल्ड बैंक में मैनेजर है। शनिवार सुबह वह बाइक से फ्रीगंज स्थित कार्यालय जा रहा था। रास्ते में उससे एक युवक ने लिफ्ट मांगी थी। राहुल ने उसे प्रजापति ढाबे के सामने से बाइक पर बैठाया था। बातचीत में युवक ने अपना नाम अशफाक मेव निवासी विराट नगर बताया था। अशफाक ढांचा भवन के पास स्थित ज्ञानेश्वरी माता मंदिर के समीप उतर गया था। उसने राहुल से कहा कि मैं उद्योगपुरी में काम करता हूं। राहुल अपने कार्यालय पहुंचा तो वहां उसके बैग से डेढ़ लाख रुपये गायब मिले थे। बैग की चेन भी खुली हुई थी। जिस पर वह तत्काल विराट नगर में अशफाक के घर पहुंचा था। जहां अशफाक ने रुपये चोरी करना कबूल कर लिया था। उसने बताया कि रुपये मां रजिया को दिए थे। राहुल को घर पर देख उसकी मां ने शोर मचा दिया। जिस पर लोग एकत्र हो गए थे। राहुल ने थाने पहुंचकर अशफाक के खिलाफ पुलिस को शिकायत की है।

# पत्नी और भांजी ने 6 लाख रुपये में दी थी व्यापारी की हत्या की सुपारी

**उज्जैन।** जूना सोमवारिया में शनिवार सुबह घर में हुई इलेक्ट्रॉनिक्स कारोबारी की हत्या का रविवार को पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है। मृतक के चरित्र को लेकर पत्नी शंका करती थी। इस कारण वह उससे अलग पड़ोस के मकान में रहती थी। पत्नी ने अपने साथ मृतक की भांजी को भी मिला लिया था। दोनों ने एक परिचित को छह लाख रुपये में हत्या की सुपारी दी थी। जिसके बाद परिचित ने इंगोरिया निवासी व्यक्ति को मात्र 10 हजार रुपये देकर कारोबारी की हत्या करवा दी। पुलिस ने मृतक की पत्नी, भांजी व परिचित को गिरफ्तार कर लिया है। एसपी प्रदीप शर्मा ने बताया कि जूना सोमवारिया निवासी मिश्रीलाल राठौर पूजा इलेक्ट्रॉनिक्स नाम से दुकान संचालित करते थे। घर के नीचे ही दुकान है। राठौर अपने पुत्र लोकेश राठौर के साथ रहते थे। राठौर रोजाना की तरह शनिवार सुबह मार्निंग वॉक पर गए थे। सुबह करीब सात बजे वह घर वापस लौटे थे। जैसे ही गेट खोलकर वह अंदर घुसे घर में पहले से ही छुपकर बैठे एक बदमाश ने उन्हें चाकू मार दिया और वहां से भाग निकला। शोर सुनकर आसपास के रहवासियों ने राठौर को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया था। जहां

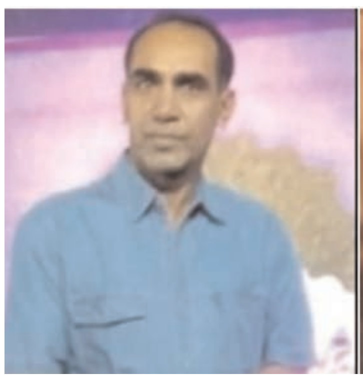

डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

**फुटेज में घर में नजर आया था बदमाश**
पुलिस ने बताया कि घर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने में एक बदमाश नजर आया था। बदमाश ने चाबी से ही ताला खोला था और वह सीढियों पर छुपकर बैठ गया था। राठौर के आते ही उसने चाकू से हमला कर दिया था। इसके बाद वह भाग निकला था। पुलिस को मौके से एक चाकू मिला था। पत्नी व भांजी के मोबाइल में मिले ऑडियो ने खोला राज। एसपी प्रदीप शर्मा ने बताया कि बदमाश चाबी से ताला खोलकर अंदर घुसा था। जिससे शंका थी कि किसी ने उसे चाबी उपलब्ध करवाई है। मृतक का अपनी पत्नी कृष्णाबाई से विवाद चल रहा था। मृतक के चरित्र को लेकर शंका जताने के कारण दोनों अलग-अलग मकानों में रहते थे। कृष्णाबाई पड़ोस में ही मृतक की भांजी माया के साथ रह रही थी। पुलिस ने दोनों के मोबाइलों को खंगाला तो उसमें दोनों द्वारा गोपाल आंजना निवासी आंजना बस्ती से बात करने के आडियो मिले थे। बातचीत संदिग्ध थी। जिसके बाद दोनों से पूछताछ की गई तो उन्होंने हत्या करवाना कबूल किया था। दोनों ने बताया कि मृतक राठौर उन्हें संपत्ति से बेदखल कर मकान भी खाली करवाना चाहता था। मृतक की भांजी के पति की दुर्घटना में मौत होने के कारण वह मामी के साथ रह रही थी।

# मां ने दिखाया आसमान तो बेटियों ने मुश्किलों को दी मात, भरी ऊंची उड़ान

**सिटी चीफ भोपाल।**
मां है तो जीवन में कोई गम नहीं होता। दुनिया साथ दे या न दे पर मां का प्यार कभी कम नहीं होगा। यह कोई कहावत नहीं है बल्कि सचाई है। समाज में ऐसी माताओं की कमी नहीं है जिन्होंने स्वयं तकलीफ उठाकर बेटियों की प्रगति का मार्ग प्रशस्त किया। आसमान दिखाया तो बेटियों ने भी ऊंची उड़ान भरी और परिवार और समाज का नाम रौशन किया।

मदर्स को सार्थक करने वाली ऐसी माताओं पर बेटियों को भी गर्व है। मदर्स के त्याग और बलिदान से प्रगति के पथ पर अग्रसर बेटियों का कहना है किवे मां के समर्पण को भी भुला नहीं सकतीं ।कहते हैं मां ही संतान की पहली शिक्षक होती है। इस कहावत को चरितार्थ कर दिखाया है हिना चोटवानी ने। बेटी मुस्कान के कैरियर को लेकर चिंतित रही हिना ने बेटी को हमेशा यही सिखाया कि कठिन परिश्रम ही सफलता की सीढ़ी है। मुस्कान ने भी मां के वचनों को सार्थक कर दिखाया। मुस्कान ने जुंबा और और फिटनेस ट्रेनर के रूप में राजधानी में अलग पहचान बना ली है। यंगस्टर के लिए वे फिटनेस आइकोन बन चुकी मुस्कान अपनी सफलता का श्रेय मां के त्याग, समर्पण और विश्वास को देती हैं। जितेश से मैरिज के बाद भी मुस्कान की सक्सेस स्टोरी जारी है। आमतौर पर कहा जाता है कि बेटियां अधिक पढ़ लिखकर क्या करेंगी लेकिन मां पुष्पा तोलानी कभी इससे सहमत नहीं रहीं। संपन्न व्यापारिक घराने से जुड़े होने के बावजूद पुष्पा ने बेटी मोनिका की ऊंची उड़ान भरने के लिए खुला आसमान दिया। मोनिका ने भी मां के दिखाए रूट पर खुलकर उड़ान भरी। पहले नेचुरोपैथी में अपना हुनर दिखाया। प्राकृतिक चिकित्सक बनने के बाद योगा ट्रेनर के रूप में राजधानी में अलग पहचान बनाई। मोनिका को ऋषिकेष में योगा डे के अवसर पर हुए आयोजन में उत्कृष्ट कार्य के लिए गोल्ड मेडल प्रदान किया गया। मोनिका कहती हैं किमां से प्रेरणा नहीं मिलती तो शायद में यहां तक नहीं पहुंचती।

### बेटी के सपनों को दिया पूरा साथ

मेकअप आर्टिस्ट नीतू रामचंदानी पिछले 25 साल से सोशली एक्टिव लेडी हैं। समाज में अलग पहचान कायम करने के साथ ही नीतू ने जिम्मेदार मां का रोल भी पूरी निष्ठा से निभाया है। बेटी रितिका के सपनों को पूरा करने में वे कभी पीछे नहीं हटीं। मां का प्रोत्साहन मिला तो रितिका ने हेयर एवं ब्यूटी एक्सपर्ट के रूप में अलग पहचान बना ली। देश के नामी कारपोरेट घरानों से रितिका को अवार्ड मिल चुके हैं। नीतू सामाजिक कार्यक्रमों में भी उत्साह के साथ भाग लेती हैं। रचनात्मक गतिविधियों में भाग लेना उनका शगल है। बेटी रितिका ने भी मां के पदचिन्हों पर चलकर विनम्रता को अपना आभूषण बनाया है।

### सपना बेटी को दिया, पूरा भी कराया

सपने सब देखते हैं पर हर सपना पूरा नहीं होता। मां बनने से पहले ही पूनम भावनानी ने कोरियोग्राफर बनने का सपना देखा लेकिन समय बीतता गया। सपना पूरा नहीं हो सका। संयोग से बेटी नैंसी भावनानी की रूचि भी इस क्षेत्र में है। पूनम ने नैंसी को इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए भरपूर प्रोत्साहन दिया। नतीजा यह निकला की नैंसी ने सफल कोरियोग्राफर के रूप में अपने झंडे गाड़ दिए। नैंसी को भगवान कला केंद्र, मेला समिति, संस्कार यूथ सुधा सहित तमाम संस्थाओं ने नैंसी की कला की कद्र करते हुए सम्मानित किया है। नैंसी कहती हैं किमां के बिना मैं अधूरी हूं।

# अब गौशाला पहुंचेगी आप के घर की रोटी, निगम के जोन एक से हुई शुरुआत

**सिटी चीफ भोपाल।**
अब आपको बासी रोटी इधर-उधर फेंकने और ना ही कचरे में डालने की जरूरत, क्योंकि अब आपके घर की रोटी और ब्रेड गौशाला और कांजी हाउस पहुंचाई जाएगी। जी हां नगर निगम जोन एक के एएचओ रविकांत के एक सुझाव ने कचरा गाड़ियों में आने वाले मिक्स कचरे की झंझट को काफी हद तक कम कर दिया है। साथ ही भोजन का अनादर न हो इसका ध्यान में रखकर एक नई शुरुआत की है। रविकांत ने अपने जोन की सभी 20 कचरा गाड़ियों में गाय का भोजन रखने के लिए हरे रंग का एक नया बिन लगाया है। ताकि कचरे के साथ आने वाला खाना गाय को खिलाया जा सके। एएचओ रविकांत के इस नवाचार की निगमायुक्त हरेंद्र नारायन ने सराहना की है। खास बात यह है कि इस पहल से खाने का सदुपयोग होगा । सूखे कचरे के साथ जो लोग गिला कचरा देते थे, उसमें भी कमी आएगी। इस तरह का खाना खंती में जाकर सिर्फ सड़ता था। इस नवाचार से खाना अब सड़ेगा नहीं, बल्कि खाने का सदुपयोग होगा। वैसे भी घरों से एकत्र किए जाने वाले कचरे का कलेक्शन दोपहर 12 बजे तक हो

जाता है। इसलिए घरों से एकत्र किए जाने वाली रोटी और ब्रेड को समय रहते गौशाला या कांजी हाउस तक पहुंचाया जाएगा।

**सातवें बिन के नाम से जाना जाएगा**

स्वच्छ भारत मिशन के तहत इस नवाचार को लिया जा रहा है। निगमायुक्त हरेंद्र नारायन इस नवाचार की सराहना की है। वह जल्द ही अधिकारी रूप से इस नवाचार को शहर की सभी कचरा गाड़ियों में सातवें बिन के नाम से सामने लाएंगे। अभी जोन एक के वार्ड तीन, चार और पांच की क्षेत्रों से रोटी और ब्रेड को एकत्र किया जा रहा है। इन वार्डों के तहत यह काम बैरागढ़, सीहोर रोड कोलू खेड़ी और भौंरी क्षेत्र में लोग इस बिन में खाना का सामना दे रहे हैं।

**अभी लगे हैं कचरा गाड़ियों में छह बिन**

शहर में जिन कचरा गाड़ियों से विभिन्न तरह का कचरा एकत्र किया जा रहा है। उनमें फिलहाल छह बिन लगे हुए हैं। नीला बिन - सूखे कचरे के लिए, हरा बिन - गिला कचरे के लिए, काला बिन - कांच व ट्यूब लाइट, पीला बिन - सैनिटरी पैड, भुरा बिन - ई वेस्ट के लिए, लाल बिन - मेडिकल वेस्ट के लिए लगाया गया है। यह सातवा बाल्टी नुमा बिन शहर की कचरा गाड़ियों में खाने की चीजों के लिए लगाया जाएगा।

# पांचवीं व आठवीं के फेल विद्यार्थियों की दोबारा जांच की जाएंगी उत्तर पुस्तिकाएं

**सिटी चीफ भोपाल।**
स्कूल शिक्षा विभाग ने हाल में पांचवीं व आठवीं की बोर्ड परीक्षा का परिणाम घोषित किया है। इसके तहत जो छात्र-छात्राएं फेल हुए हैं। उनकी कापियां दोबारा जांची जाएगी। राज्य शिक्षा केंद्र ने इस संबंध में निर्देश जारी किए है। इसके लिए आवेदन करना होगा। प्रक्रिया आनलाइन रहेगी। उक्त कक्षाओं का रिजल्ट 23 अप्रैल को घोषित किया गया था। दोनों कक्षाओं में प्रदेश से करीब ढाई लाख विद्यार्थी फेल हो गए थे। इन्हें अंकों की बजाय ग्रेड दिया गया था। इन फेल विद्यार्थियों को

पास होने का मौका दिया गया है। इसके लिए इनकी दोबारा परीक्षा जून में आयोजित होगी। इसके साथ ही विद्यार्थी अपनी उत्तरपुस्तिकाओं की जांच दोबारा करा सकेंगे।

# नजीराबाद दोहरे हत्याकांड में महिला सरपंच सहित 16 के खिलाफ केस दर्ज

**सिटी चीफ भोपाल।**
नजीराबाद थाना इलाके के शुक्ला गांव में शनिवार सुबह सरकारी जमीन पर कब्जा करने को लेकर दो पक्षों के बीच खूनी संघर्ष हो गया था। इसमें एक पक्ष के दो लोगों की मौत हो गई थी। दोहरे हत्याकांड में पुलिस ने महिला सरपंच सहित 16 नामजद लोगों के खिलाफ हत्या, बलवा करने का केस दर्ज कर लिया है। नजीराबाद थाना प्रभारी एचएस वर्मा ने बताया कि शुक्ला गांव निवासी 28 वर्षीय यशवंत गुर्जर एवं 45 वर्षीय रंगलाल गुर्जर की हत्या के आरोप में सरपंच भूरीबाई गुर्जर सहित रूपसिंह, हेमराज सिंह, भगवान

सिंह, मांगीलाल, विश्राम सिंह, राधेश्याम, संजू, भारत, दयाल, रामनारायण, सूरज, आरामसिंह, प्रताप सिंह, रामबाबू, बलराम व अन्य के खिलाफ हत्या, बलवा का केस दर्ज किया गया है। बता दें कि शनिवार सुबह नौ बजे पूर्व सरपंच गनपत गुर्जर के परिवार से यशवंत गुर्जर और रंगलाल ट्रैक्टर लेकर सरकारी जमीन पर कब्जा करने पहुंचे थे। इस बात का पता चलने पर वर्तमान सरपंच भूरी बाई का पति रूपसिंह अपने परिवार के लोगों के साथ मौके पर पहुंचा और कब्जा करने का विरोध करना शुरू कर दिया। देखते ही देखते दोनों तरफ से फरसा, लाठी, तलवार लेकर खूनी संघर्ष हो गया था। झगड़े में यशवंत और रंगलाल की मौत हो गई थी। विवाद में हरिनारायण गुर्जर, राजू गुर्जर,दीप सिंह गुर्जर, कंचन गुर्जर और बलराम गुर्जर और दूसरे पक्ष के मांगीलाल, रूपसिंह, संजू आदि घायल हैं।

# हिंदी विवि के अतिथि विद्वानों की सेवाएं अगले आदेश तक के लिए समाप्त

**सिटी चीफ भोपाल।**
राजधानी स्थित अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय में कार्यरत अतिथि विद्वानों की सेवाएं सोमवार से समाप्त कर दी गई है। विवि प्रशासन द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार 13 मई 2024 से आगामी आदेश तक के लिए अतिथि विद्वानों को कार्य से पृथक किया गया है। विवि के कुलसचिव शैलेंद्र कुमार जैन द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि चार मई 2023 को विवि के विभिन्न विभागों में पदस्थ अतिथि विद्वानों को छह मई 2023 से आगामी आदेश तक आमंत्रित किया गया था। चुनाव आचार संहिता प्रभावशील होने के कारण विवि ने पत्र के माध्यम से मप्र शासन उच्च

शिक्षा विभाग से इस संबंध में मार्गदर्शन मांगा था। इसके अनुसार आठ मई 2024 को विवि को प्राप्त मार्गदर्शन के आधार पर विश्वविद्यालय में कार्यरत अतिथि विद्वानों को 13 मई से आगामी आदेश तक के लिए सेवाएं समाप्त करने का आदेश जारी किया ।

# निपानिया जाट के एक रेस्टोरेंट मालिक ने निशातपुरा की होटल में लगाई फांसी

**सिटी चीफ भोपाल।**
निशातपुरा थाना इलाके में होटल में ठहरे युवक ने शनिवार रात फांसी लगा ली। तलाशी में कोई सुसाइड नोट नहीं मिलने से अभी खदुकुशी की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। मृतक अपने गांव में स्वयं का रेस्टोरेंट चलाता था। निशातपुरा थाने के एसआइ नरेंद्रसिंह सेंगर ने बताया कि शनिवार रात राजवंश होटल में ठहरे एक युवक द्वारा कमरे में फांसी लगा लेने की सूचना मिली थी। मृतक की

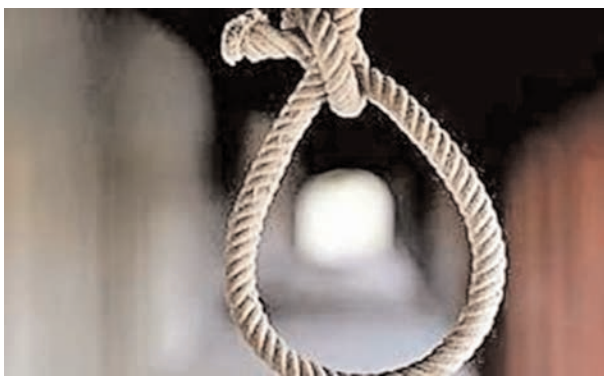

पहचान शहर के समीपस्थ ग्राम निपानिया जाट निवासी 32 वर्षीय अरविंद जाट के रूप में हुई। वह शनिवार शाम को ही होटल पहुंचा था। इस होटल में उसके गांव का एक युवक काम करता है। उसके परिचय के आधार पर अरविंद ने होटल में कमरा ले लिया था। रात करीब सवा नौ बजे होटल के कर्मचारियों ने अरविंद को फांसी पर लटका देख पुलिस को सूचना दी थी। गमगीन होने के कारण अभी स्वजन के बयान भी नहीं लिए जा सके हैं। इस वजह से खुदकुशी के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है।

# पुलिसकर्मी के इकलौते बेटे को कार ने रौंदा , मौत

**सिटी चीफ भोपाल।**
कमला नगर के नेहरू नगर चौराहे पर पुलिस के हवलदार के इकलौते बेटे को एक तेज रफ्तार कार ने रौंद डाला।उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया। जहां उसे डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। वह घर से अपने चचेरे भाई के साथ गन्ने का रस पीने आया था। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी हैं। कमला नगर थाने के एसआइ गौरव पांडे ने बताया कि नेहरू नगर पुलिस लाइन में रहने वाले पुलिसकर्मी प्रद्युम्न मीणा का इकलौता बेटा 12 वर्षीय अंकुर मीना रविवार दोपहर करीब तीन बजे अपने चचेरे भाई के साथ नेहरू नगर चौराहे के पास गन्ने का रस पीने के लिए आया था, वह ठेले के बगल में खड़ा हुआ था, उसी समय नेहरू नगर की तरफ से भदभदा की तरफ जाने के लिए एक कार निकली और कार की रफ्तार तेज थी, मोड़ पर एक व्यक्ति को बचाने की कोशिश में कार अंकुर मीणा को रौंदती निकल

गई। हादसे के बाद लोगों की भीड़ जमा हो गई और कार को रूकवाया। बाद में बच्चे को एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। इधर, हादसे की खबर सुनकर बच्चे के स्वजन सन्न रह गए , उनको यकीन नहीं हुआ कि अभी थोड़ी देर पहले हंसते खेलते वह बाहर गया था और यह अनहोनी हो गई। घटना के बाद घर में मातम पसर हुआ है।

**पुलिस ने कार को जब्त कर चालक को हिरासत में लिया**

टीआइ कमला नगर निरूपा पांडे ने बताया कि कार चालक एक प्री वेडिंग शूट के लिए जा रहा था, उसके साथ उनका परिवार भी था। उसने कार की मोड़ पर तेज रफ्तार में कार चला रहा था, अचानक से कार अनियंत्रित होकर मासूम पर चढ़ गई।इससे उसकी मौत हुई। कार चालक को हिरासत में लेकर कार को जब्त कर लिया गया है।

## मुख्यमंत्री ने सलकनपुर हादसे में मृतकों को दी श्रद्धांजलि

# स्वजनों को 4-4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता

**सिटी चीफ भोपाल।**
मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल के डीआईजी बंगला स्थित चौकसे नगर पहुंचकर सलकनपुर सड़क हादसे में मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की और परिवारजन को सांत्वना दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भरत पाण्डे, भारत पांडे, भूषण पाण्डेय, मोहित पांडे तथा परिवार के अन्य सदस्यों से भेंट कर घटना की जानकारी प्राप्त की। सलकनपुर सड़क हादसे में मृतकों के परिजनों से आज भोपाल के चौकसे नगर स्थित आवास पहुंच कर भेंट की और सांत्वना दी तथा जिला प्रशासन को घायलों के समुचित उपचार की

व्यवस्था के निर्देश भी दिए हैं।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने तथा घायलों का समुचित इलाज कराने के जिला प्रशासन को निर्देश दिए हैं। इस अवसर पर देवेंद्र भार्गव तथा अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। बता दें कि 10 मई को चौकसे नगर निवासी पाण्डे परिवार के 11 सदस्य पांच माह के बालक व्योम पाण्डेय का मुण्डन संस्कार के लिए रामसात बाबा का मंदिर नर्मदापुरम गए थे। मुण्डन कार्यक्रम के बाद सभी रहटी जिला सीहोर स्थित सलकनपुर माताजी के दर्शन कर वापस लौट रहे थे। इस दौरान भैरव घाट पर उनकी कार दुर्घटना ग्रस्त हो गई। जिसमें चालक सहित लोगों की मृत्यु हो गई तथा 5 लोग घायल हो गए।दो घायलों को एम्स में भर्ती कराया गया है। इस अवसर पर भोपाल के पूर्व महापौर आलोक शर्मा, जोन अध्यक्ष देवेंद्र भार्गव तथा अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

## संपादकीय

# आईपीएस और घरेलू हिंसा, धारणाओं को ध्वस्त करने वाली होती हैं कुछ घटनाएं

बीते दिनों दिल्ली उच्च न्यायालय ने घरेलू हिंसा से जुड़े एक मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि 'किसी महिला के सशक्त पद पर होने का मतलब यह नहीं है कि वह घरेलू हिंसा का शिकार नहीं हो सकती।' यह टिप्पणी सत्र न्यायालय के उस फैसले की सुनवाई करते हुए दी गई, जिसमें सत्र न्यायालय ने कहा था कि 'एक महिला पुलिस अधिकारी के साथ घरेलू हिंसा नहीं हो सकती।'अमूमन माना जाता है कि घरेलू हिंसा का शिकार वे महिलाएं होती हैं, जो आर्थिक रूप से पति पर निर्भर हों। इसके पीछे वे तमाम अध्ययन हैं, जो बताते हैं कि घरेलू हिंसा का सामना ज्यादातर निम्न आर्थिक एवं सामाजिक स्तर की महिलाओं को करना पड़ता है। परंतु आज तक कोई भी शोध यह दावा नहीं कर पाया है कि कामकाजी व सशक्त महिलाएं घरेलू प्रताड़नाओं से मुक्त हैं। एबिगेल बीट्जमैन का अध्ययन 'विमेन ऐंड मेन्स रिलेटिव स्टेट्स ऐंड इंटिमेट पार्टनर वायलेंस इन इंडिया' बताता है कि जिन परिवारों में महिलाएं कामकाजी और पति से अधिक कमाने वाली हैं, उन्हें भी घरेलू हिंसा सहनी पड़ती है। बीट्जमैन कहती हैं कि घर की शक्ति-नियंत्रण की गतिशीलता पितृसत्तात्मक ढांचे में कुछ इस तरह आत्मसात हो चुकी है कि नियंत्रण रखने की मानसिकता इससे जरा भी प्रभावित नहीं होती है कि महिला आर्थिक रूप से सक्षम है या नहीं। अंतर सिर्फ इतना है कि आर्थिक रूप से सक्षम महिलाएं कई बार प्रताड़नाओं का विरोध कर पाती हैं। दुनिया भर के विभिन्न समाजों में महिलाओं को उनकी लैंगिक भूमिकाओं के अनुरूप समाजीकृत किया जाता है और यह प्रक्रिया आधुनिकीकरण के तमाम दावों के बीच भी सफल वैवाहिक जीवन के निर्वहन का समस्त दायित्व स्त्री के कंधों पर डालती है और बड़ी ही निष्ठुरता से यह स्वीकार करती है कि वैवाहिक जीवन के उतार-चढ़ावों के बीच महिला का धैर्य और त्याग विवाह के स्थायित्व की नींव बनता है। इस 'धैर्य' की परिभाषा में मौखिक और मनोवैज्ञानिक दुर्व्यवहार को सहजता से स्वीकारना भी शामिल है। स्पष्ट है कि यह नियम कामकाजी महिलाओं पर भी लागू होता है। पुरुष के आक्रामक व्यवहार पर मनोविश्लेषणात्मक सिद्धांत तर्क देता है कि पुरुष अपनी भावनात्मक असुरक्ष व तनाव की भरपाई करने के लिए अति पुरुषोचित व्यवहार करता है। आवेगी स्वभाव, आक्रामकता, विषाक्त पुरुषत्व, नियंत्रण की प्रवृत्ति और असुरक्षा जैसे कारक पुरुषों को जीवनसाथी को प्रताड़ित करने के लिए उकसाते हैं। सवाल यह है कि दुनिया भर में महिलाएं क्यों खामोशी से घरेलू हिंसा को स्वीकारती आ रही हैं। निस्संदेह इसके पीछे सामाजिक व पारिवारिक प्रतिष्ठा धूमिल होने का भय है। महिलाएं शुरू में यह सोचकर प्रताड़ना सहती हैं कि यह अल्पावधि के लिए है। भविष्य में उसके साथी का व्यवहार बदल जाएगा, लेकिन जैसे-जैसे पीड़िता अपमानजनक व्यवहार को स्वीकार करती है, मौखिक या मनोवैज्ञानिक प्रताड़ना उसके मस्तिष्क में मजबूत हो जाती है, जिससे उसके लिए समय के साथ दुर्व्यवहार की गंभीरता को पहचानना मुश्किल हो जाता है। अल्बर्ट बंडूरा की 'सोशल लर्निंग थ्योरी' परिवार के भीतर हिंसा के कई पीढ़ियों तक संचरण की चर्चा करती हैं। इसके अनुसार बच्चे अंतरंग साथी के बीच हिंसा को पारिवारिक वातावरण में देखने और नकल करने की प्रक्रिया के जरिये 'हिंसक व्यवहार' को आत्मसात कर लेते हैं। घरेलू हिंसा राष्ट्र के विकास को प्रभावित करती है तथा समाज के आर्थिक, मनोवैज्ञानिक और भावनात्मक कल्याण को बाधित करती है। शोधों से पता चलता है कि महिलाओं के विरुद्ध हिंसा की लागत वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का लगभग दो प्रतिशत हो सकती है। घरेलू हिंसा से संरक्षण अधिनियम पर प्रतिक्रियाएं ध्रुवीकृत हैं। एक धड़ा जहां महानगरों में रहने वाले कुलीन वर्ग द्वारा इसके दुरुपयोग की शिकायत कर रहा है, वहीं दूसरा धड़ा पित्तृसत्ता के कठोर ढांचे में दबी ग्रामीण महिलाओं के लिए इसकी निरर्थकता पर ठप्पा लगा चुका है। इसलिए घरेलू हिंसा से निपटने के लिए कानून से अधिक, ठोस एवं समन्वित प्रयास आवश्यक हैं। घरेलू हिंसा पीड़ितों को समझना होगा कि शारीरिक तथा मनोवैज्ञानिक प्रताड़नाओं को सहने से पारिवारिक वातावरण सुखद नहीं होगा और न ही भावी पीढ़ी का भविष्य उज्ज्वल हो सकता है।

# भस्मारती मे सूर्य, चंद्र, त्रिपुंड और बिल्वपत्र से सजे बाबा महाकाल, हजारों भक्तों ने किए दर्शन

विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में आज वैसाख शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि पर सोमवार तड़के भस्म आरती के दौरान चार बजे मंदिर के पट खुलते ही पंडे पुजारी ने गर्भगृह में स्थापित भगवान की प्रतिमाओं का पूजन किया। भगवान महाकाल का जलाभिषेक दूध, दही, घी, शक्कर और फलों के रस से बने पंचामृत से कर पूजन अर्चन किया गया। प्रथम घंटाल बजाकर हरि ओम का जल अर्पित किया गया। कपूर आरती के बाद बाबा महाकाल को नवीन मुकुट, रुद्राक्ष और मुंड माला धारण करवाई गई। आज के श्रृंगार की विशेष बात यह रही कि षष्ठी तिथि पर सोमवार की भस्मआरती में बाबा महाकाल का भांग से श्रृंगार किया गया। मस्तक पर सूर्य, चन्द्र, बिल्व पत्र, त्रिपुंड लगाकर फूलों की माला पहनाकर उन्हें सजाया गया। श्रृंगार के बाद बाबा महाकाल के ज्योतिर्लिंग को कपड़े से ढांककर भस्म रमाई गई और भोग भी लगाया गया। महानिर्वाणी अखाड़े की और से भगवान महाकाल को भस्म अर्पित की गई। इस दौरान हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल के दिव्य दर्शनों का लाभ लिया। जिससे पूरा मंदिर परिसर जय श्री महाकाल की गूंज से गुंजायमान हो गया।

# रोजगारों की कब्रगाह बनतीं कंपनियां, अतीत से सुनें वर्तमान की धड़कन

नौकरी चाहने वालों के सपनों में जो कंपनियां बसती हैं, उनमें नौकरी करने वालों के सबसे बुरे सपने हकीकत बन गए हैं। गूगल ने एकमुश्त 1,000 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया। कहते हैं कि यह तो बड़ी छंटनी की शुरुआत भर है। टेस्ला वाले एलन मस्क करीब 6,000 कर्मचारियों को निकाल कर भारत आते हुए चीन पहुंच गए। बीते साल उन्होंने ट्वीटर (अब एक्स) के 4,000 लोग निकाले थे। मेटा वाले जुकरबर्ग ने बीते साल 11,000 लोगों को बेरोजगार किया। तकनीकी कारोबारों में रोजगारों का कत्लेआम मचा है। तकनीक की दुनिया के छोटे-बड़े सितारे कर्मचारियों को ऐसे निकाल रहे हैं, मानो प्रलय आ गई हो। इस साल ही दिग्गज तकनीकी कंपनियों में करीब 75,000 लोगों की नौकरी चली गई है। भारत में भी स्टार्ट-अप कंपनियां रोजगारों की कब्रगाह बन गई हैं। बायजूस, चार्जबी, ओला, मीशो, कार 24, लीड, अनएकेडमी, ब्रेनली... रोजगारों को सूली पर चढ़ाने वालों की सूची बढ़ती जा रही है। पूरी दुनिया के लोग मास ले-ऑफ की विपत्ति से वाकिफ हो चुके हैं। सामूहिक छंटनी को यह अभागा नाम अमेरिका में मिला था, जहां करीब 40 साल पहले तक इतने बड़े पैमाने पर एक साथ रोजगार खत्म नहीं किए जाते थे। तो रोजगारों का यह संहार आया कैसे? आइए, टाइम मशीन का कंडक्टर बुला रहा है, इंजन चालू है, सीट पकड़िए, उड़ चलते हैं अतीत में। हम 1940 के दशक में पहुंच गए हैं। 1930 की महामंदी के बाद बेरोजगारी अमेरिका का सबसे बड़ा राजनीतिक खौफ बन चुकी थी। दूसरे विश्वयुद्ध के साथ अमेरिका में युद्ध संबंधी उत्पादन 40 फीसदी बढ़ गया। नई तकनीकें, नए रोजगार आए हैं, तो मंदी का दारिर्द्य दूर हो रहा है। इस कामयाबी से अमेरिकी नीति-निर्माताओं को महसूस हुआ कि सरकारी दखल से अर्थव्यवस्था की कायापलट हो सकती है। अमेरिकी अखबारों की सुर्खियां आपकी सीट के सामने की स्क्रीन पर तैर रही हैं। यह खबर फुल इंप्लायमेंट विधेयक के मसौदे की है और वक्त है 1945 का। पूर्ण रोजगार की सरकारी गारंटी देने के लिए कानून बनाने की तैयारी दुनिया ने इससे पहले कभी नहीं सुनी थी। इस विधेयक की प्रस्तावना में लिखा है कि अमेरिका के वे सभी लोग, जो स्कूलिंग पूरी कर चुके हैं और कोई घरेलू काम नहीं कर रहे हैं, अमेरिका की फेडरल सरकार इस कानून के तहत उन्हें अच्छे रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएगी। याद दिला दें कि स्टीफन केम्प बेली ने इस कानून पर एक किताब लिखी थी-कांग्रेस मेक्स ए लॉ: द स्टोरी बिहाइंड द इंप्लायमेंट ऐक्ट ऑफ 1946। यह किताब राजनीतिक क्लासिक की गिनती में आती है। वैसे मसौदे से कानून तक आते-आते कई बदलाव हुए। रोजगार का वादा उतना दो टूक नहीं रहा, जितना मसौदे में था। कानून यह कहता था कि राज्यों और उद्योगों की मदद से अधिकतम रोजगार दिए जाएंगे और जनता की क्रयशक्ति (पर्चेजिंग पावर) बढ़ाई जाएगी। 20वीं सदी के आठ दशकों तक दुनिया के बाजारों को सामूहिक छंटनी यानी मास ले-ऑफ नाम की बला के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। अब टाइम मशीन 1980 में आ गई है। व्हाइट हाउस में रोनाल्ड रीगन विराज रहे हैं। उनकी नई आर्थिक नीति और निजीकरण की मदद से अमेरिका का कॉरपोरेट क्षेत्र तेजी से उभर रहा है। एयरलाइन बाजार में एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स महत्वपूर्ण बन गए हैं। यही तकनीकी लोग आकाश से जमीन तक विमानों की आवाजाही संभालते हैं। फरवरी, 1981 में अमेरिका के एविएशन रेगुलेटर फेडरल एविएशन और एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स के बीच नए वेतनमान और सुविधाओं को लेकर बातचीत शुरू हुई। कर्मचारियों और फेडरल सरकार के बीच विवाद की खबरें बढ़ रही हैं। यह जुलाई-अगस्त,1981 है। करीब छह महीने तक सौदेबाजी के बाद सरकार और एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स के बीच बातचीत टूट गई है। करीब 13,000 एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स हड़ताल पर चले गए। रीगन ने दो दिन में हड़ताल खत्म करने की चेतावनी दी और अब वह होने वाला है, जो अमेरिका में कभी नहीं हुआ। रीगन प्रशासन ने 13,000 कर्मचारियों को नौकरियों से निकाल दिया। फेडरल एविएशन अथॉरिटी ने नई भर्ती शुरू कर दी। इस सनसनीखेज फैसले से अमेरिका में श्रम कानूनों का चेहरा-मोहरा बदल गया। अमेरिका के उद्योगों ने इस बदलाव को लपक लिया। अब हमारी टाइम मशीन जनरल इलेक्ट्रिक के दफ्तर के करीब मंडरा रही है, जहां कंपनी के चेयरमैन जैक वेल्श नजर आ रहे हैं। अमेरिका के तेज-तर्रार सीईओ वेल्श की किताबें आगे प्रबंधन स्कूलों में पढ़ाई जाएंगी। वेल्श ने 1980 में जनरल इलेक्ट्रिक की कमान संभाली थी। उस वक्त जीई केवल बल्ब और कुछ घरेलू उपकरण बनाती थी। उन्होंने दस साल में जीई को अमेरिका की सबसे मूल्यवान कंपनियों में बदल दिया। वेल्श के नेतृत्व वाले 20 वर्षों में जीई 12 अरब डॉलर से 410 अरब डॉलर की कंपनी बन गई। वेल्श ने ही मास ले-ऑफ यानी सामूहिक छंटनी की कुख्यात परंपरा शुरू की थी। 1980 से 1985 के बीच उन्होंने जीई में हर चार में से एक कर्मचारी को निकाल दिया और करीब 1.18 लाख कर्मचारियों की नौकरी ली। न्यूट्रॉन वेल्श!! कारोबार की दुनिया वेल्श को इसी नाम से बुला रही है। वह रोजगारों के बाजार में उस न्यूट्रॉन बम की तरह बन गए हैं, जो इमारतों या संपत्ति का ध्वंस नहीं करता, मगर लोगों की जान ले लेता है। हम देख सकते हैं कि अमेरिका में मास ले-ऑफ तेजी से बढ़ने लगे हैं। यह क्या! 1990 में एटीएंडटी के सीईओ रॉबर्ट एलन ने 50,000 कर्मचारी निकाल दिए हैं। इस 'महान' कारोबारी सूझ के बाद उनके वेतन में जोरदार बढ़ोतरी हुई है। अखबारों के संपादकीय उन्हें लानतें भेज रहे हैं। अब जरा सतर्क होकर बैठिए। हम मिलने जा रहे हैं रोजगारों के सबसे बड़े संहारक यानी अलबर्ट जे डनलप से। नौकरियों के विराट ध्वंस की कोई कहानी इनके बिना पूरी नहीं हो सकती। यह 1990 के दशक के शुरुआती वर्ष हैं। कुख्यात और निर्मम कॉरपोरेट मैनेजर अलबर्ट जे डनलप ने मुनाफे के लिए कर्मचारियों को निकालना कॉरपोरेट प्रबंधन का हिस्सा बना दिया है। इस विध्वंसक रणनीति पर डनलप की किताब मीन बिजनेस खासी चर्चित रही है। यह बात दीगर कि टाइम पत्रिका ने 2010 में डनलप को अमेरिका के सबसे बुरे बॉस में शामिल किया था। न्यूयॉर्क टाइम्स के पत्रकार और लेखक लुइस अचिटेल की 2006 में आई चर्चित पुस्तक द डिस्पोजल अमेरिकन: ले-ऑफ ऐंड देयर कन्सक्क्वेंसेज 19वीं सदी के अंत से लेकर 2000 के दशक तक रोजगारों की छंटनी के संदर्भों से भरपूर है। 1990 और 2000 का दशक आते-आते कर्मचारियों की सामूहिक छंटनी सामान्य हो चुकी थी। कॉरपोरेट प्रबंधन के इस तरीके को प्रतिष्ठा मिल चुकी थी। लोगों ने नौकरियों की छंटनी को गंभीरता से लेना बंद कर दिया। निकाले गए कर्मचारियों को यह महसूस होने लगा कि यही उनकी नियति है। पूरी दुनिया में बेरोजगारी की सुर्खियों के बीच टाइम मशीन का यह सफर अब खत्म हो रहा है। क्या आप भी हैरत में हैं कि अरबों डॉलर के कारोबार, शानदार भविष्य और ग्रोथ की गारंटी देने वाली महाकाय कंपनियां चुनौतियों का छोटा-सा दौर भी झेल नहीं पातीं! वेल्श और डनलप के दौर में सामूहिक छंटनी करने वालों को अमेरिकी अखबारों में %कॉरपोरेट किलर्स% जैसे विशेषण दिए जाते थे। आज जुकरबर्ग, एलन मस्क या बायजू रविंद्रन को इन्हीं नामों से बुलाया जा सकता है? फिर मिलते हैं, अगले सफर पर...

# समाज: बढ़ रहा है तलाक का चलन, पारंपरिक भारतीय मूल्य लगा सकते हैं इस पर विराम

दंत चिकित्सक की कुर्सी बातचीत करने के लिए सबसे अच्छी जगह होती है, आपका मुंह खुला हुआ होता है और आपको जवाब देने की जरूरत नहीं होती, क्योंकि आप ऐसा कर ही नहीं सकते। सौभाग्य से मेरे पास एक बातूनी दंत चिकित्सक है। यह युवा महिला विवाह बाजार में तब से है, जबसे मैं उसे जानती हूं। वह लगभग 35 वर्ष की है और विवाह बाजार पर उसकी बातचीत आमतौर पर प्रफुल्लित करने वाली होती है। लेकिन पिछली कुछ मुलाकातों (हां, मैं अक्सर दंत चिकित्सक के पास जाती हूं) में वह तलाकशुदा लोगों की बढ़ती संख्या के बारे में बताती रही है।

डेढ़ दशक पहले एक योग्य और शिक्षित युवा महिला, जिसने कभी शादी नहीं की हो, कभी तलाकशुदा लोगों की ओर देखती तक नहीं थी। निश्चित रूप से ऐसे लोग थे, पर बहुत कम थे। तलाकशुदा पुरुषों एवं महिलाओं के लिए फिर से जीवनसाथी तलाशना?मुश्किल था, महिलाओं के लिए तो यह और भी चुनौतीपूर्ण था। मगर अब विवाह बाजार बदल चुका है, सभी इच्छुक विवाह बाजार में अपनी किस्मत आजमा रहे हैं और अब तलाक को कलंक समझे जाने की प्रवृत्ति कम हो रही है।शहरी इलाकों में तलाक अब सामान्य बात हो गई है, हालांकि लोग अब भी यह तय नहीं कर पा रहे हैं कि यह अच्छी बात है या बुरी। उदारीकरण के बाद के युग में भारतीय समाज में नाटकीय बदलाव आए हैं, क्योंकि पारिवारिक इकाई में रिश्ते और लैंगिक भूमिकाएं भी विकसित हुई हैं। जिस भारतीय समाज में कभी तलाक के बारे में सुनने को नहीं मिलता था, वहां आंकड़े बताते हैं कि पिछले दो दशकों में तलाक के मामलों में 350 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। अपेक्षित रूप से बड़े शहरों में तलाक के मामलों में ज्यादा बढ़ोतरी हुई है। वर्ष 2014 से 2017 के बीच तलाक के मामलों में मुंबई में 40 फीसदी की और दिल्ली में 1990 से 2012 के बीच 36 फीसदी की वृद्धि हुई है। ये आंकड़े चिंताजनक हैं, क्योंकि देश में अब भी तलाक के मामले एक फीसदी के निचले स्तर पर हैं। हालांकि धीरे-धीरे इनमें वृद्धि हो रही है, जिससे भारतीय विवाह की स्थिरता की अवधारणा खतरे में है। वर्ष 2019 में दिल्ली में 60 फीसदी से अधिक तलाक की पहल महिलाओं ने की। इसके कई कारण हैं-उच्च साक्षरता दर, आर्थिक स्वतंत्रता और अपने अधिकारों के प्रति बढ़ती जागरूकता ने महिलाओं को अपने जीवन और निर्णयों की जिम्मेदारी खुद लेने के लिए प्रेरित किया है।शोध के मुताबिक, दिलचस्प बात यह है कि पारंपरिक विवाहों की तुलना में अंतर्जातीय और अंतर्धार्मिक विवाहों में वैवाहिक विफलता की दर उच्च है। लेकिन इसकी सफलता एवं विफलता का अनुमान केवल आंकड़ों से नहीं लगा सकते। ऐसे कई कारक हैं, जो तलाक की बढ़ती प्रवृत्ति को प्रोत्साहित करते हैं और महिला सशक्तीकरण के कदमों को तलाक दर के चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए, क्योंकि वह इस देश की महिलाओं एवं बेटियों से अन्याय के साथ-साथ एक गलत धारणा होगी।आइए, देखते हैं कि वे कौन से कारण हैं, जो तलाक दर को प्रभावित करते हैं। आंकड़े बताते हैं कि 53 फीसदी तलाक की पहल 24 से 35 वर्ष के लोगों द्वारा होती है। जाहिर है कि पीढ़ीगत नजरिये में बदलाव हो रहा है। जैसे-जैसे दुनिया ऑनलाइन एक-दूसरे से जुड़ रही है, मानवीय रिश्ते और अधिक नाजुक हो गए हैं। 'समझौता' एक बुरा शब्द बन गया है, जबकि एक समय यह वैवाहिक जोड़ों द्वारा प्रयोग किया जाने वाला गुण था। अब समझौते को विफलता माना जाता है। इसके अलावा, हनीमून स्थलों के साथ इंस्टाग्राम के लिए तैयार और फिल्टर की गई छवियां, गंतव्य शादियां, दुल्हन के पहनावे एक तरह की वैवाहिक प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देती हैं, जिससे वैवाहिक रिश्ते संबंधों के जुड़ाव की तुलना में उत्सव ज्यादा बन जाते हैं। ये सब चीजें युवा जोड़ों के समक्ष एक नई वास्तविकता प्रस्तुत करते हैं, जो स्थायी रिश्ते के लिए अस्थिर नींव प्रदान करता है।पारिवारिक संरचना भी नाटकीय रूप से बदली है और नौकरी की जरूरतों के कारण घर से दूर जाने की मजबूरी ने परिवार में बुजुर्गों की भागीदारी लगभग समाप्त कर दी है। अब युवा अपने दम पर रिश्ते तय करते हैं। आंकड़े बताते हैं कि 15 भारतीय जोड़ों में से एक बांझपन से जूझ रहा है। हालांकि प्रजनन संबंधी उपचार में नाटकीय प्रगति हुई है, मगर यह बहुत महंगा विकल्प है। ज्यादातर जोड़े वित्तीय स्थिरता सहित कई कारणों से माता-पिता बनने में देरी कर रहे हैं। बच्चे जोड़ों के लिए दांपत्य संभालने और रिश्तों में स्थिरता प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण प्रेरणा होते हैं। पारिवारिक मूल्य और जुड़ाव अब भी भारतीय समाज को दूसरों से अलग करते हैं और तलाक के आंकड़े कम रखते हैं।हालांकि तलाक का चलन बढ़ रहा है, लेकिन इसका समाधान पारंपरिक भारतीय पारिवारिक मूल्यों और उनसे मिलने वाली स्थिरता और सहयोग में तलाशा जा सकता है। हमने परिवार के साथ समय बिताना कम कर दिया है। एक साथ भोजन करने और दिल से दिल की बातचीत करने का कोई विकल्प नहीं है, जहां परस्पर सहयोग और परेशानियों व खुशियों का आदान-प्रदान होता है। रोजगार के लिए युवाओं का घर-परिवार से दूर जाना एक अन्य पहलू है, जिससे निपटने की जरूरत है। पिछले दशकों में छोटे शहरों में रोजगार के अवसरों का विस्तार हुआ है और कनेक्टिविटी में वृद्धि हुई है। अब लोग अपने घर के नजदीक रोजगार के अवसर पा सकते हैं, जिससे उन्हें काम और पारिवारिक प्रतिबद्धता के बीच संतुलन बनाने में मदद मिल सकती है। हमें अपनी विचार प्रक्रिया को नया स्वरूप देना होगा और पश्चिमी जीवन-शैली के अंधानुकरण से दूर जाना होगा। हमें व्यक्तिगत सशक्तीकरण और पारिवारिक प्रतिबद्धता के बीच संतुलन बनाना होगा। एक समय पश्चिम ने व्यक्तिगत उत्कृष्टता का जश्न मनाया था और दुनिया के सामने आदर्श प्रस्तुत किया था, पर अब वह अपनी विफलता दर्शा रहा है, जिसमें किशोर उम्र में गर्भधारण, एकल अभिभावक वाले घर, स्कूलों में हिंसा, नशीले पदार्थों की लत जैसे मुद्दे शामिल हैं। यह सब कई कारणों से होता है, जिसमें परिवार का टूटना भी शामिल है।

# जानना जरूरी है: आपद-काल में नहीं लगता कोई दोष, संस्कृति के पन्नों से जानें पूरी कहानी

एक समय की बात है, जब कुरुदेश में बड़ी भयंकर ओला-वृष्टि हुई। राज्य की फसलें नष्ट हो गईं, वनस्पति को भारी क्षति हुई और प्रदेश में भयानक अकाल पड़ गया। भूख से पीड़ित प्रजा प्रदेश छोड़कर जाने लगी। उसी राज्य में उषस्ति नाम का एक ब्राह्मण रहता था। उसकी स्त्री का नाम आटिकी था। उषस्ति ने आटिकी के साथ राज्य छोड़ दिया। दोनों घूमते हुए एक गांव में पहुंचे। उषस्ति और आटिकी ने कई दिनों से कुछ खाया नहीं था। भूख के मारे दोनों का बुरा हाल था। उषस्ति की दशा ज्यादा खराब थी। उसे पता था, यदि उसे कुछ और समय भोजन नहीं मिला, तो निश्चित रूप से उसके प्राण निकल जाएंगे। इसी बीच एक घर के सामने से गुजरते हुए उषस्ति ने देखा कि अंदर बैठा व्यक्ति उड़द खा रहा है। उषस्ति से रहा नहीं गया। वह घर के अंदर गया और उस व्यक्ति से थोड़ा उड़द देने को कहा। वह व्यक्ति बोला, आप ब्राह्मण हैं। मैं कुछ उड़द खा चुका हूं, इसलिए ये जूठे हो गए हैं। मेरे पास आपके लिए बिना जूठा उड़द नहीं हैं। उषस्ति बोले, 'कोई बात नहीं। तुम यही उड़द मुझे दे दो। उस व्यक्ति ने उषस्ति को थोड़े-से उड़द दे दिए। उषस्ति ने झटपट उड़द खा लिए। फिर जब उस व्यक्ति ने पीने के लिए पानी दिया, तो उषस्ति ने पानी पीने से मना कर दिया और कहा, 'मैं यह जल नहीं पी सकता, क्योंकि मुझे उच्छिष्ट-पान (जूठन खाने) का दोष लग जाएगा। उस व्यक्ति को बहुत आश्चर्य हुआ। उसने पूछा, ब्राह्मण देवता, आपने मेरे जूठे उड़द तो खा लिए, फिर जूठा जल पीने में क्या आपत्ति है?'उषस्ति ने कहा, 'यदि मैं उड़द नहीं खाता, तो मेरे प्राण निकल जाते। प्राणों की रक्षा के लिए उपाय करना आपद्धर्म कहलाता है। आपद्धर्म में किसी तरह का दोष नहीं लगता। लेकिन अब मेरे प्राणों पर कोई संकट नहीं है। मुझे पीने के लिए स्वच्छ जल मिल ही जाएगा। इसलिए अब तुम्हारा जूठा पीने से मुझे दोष लगेगा।% यह कहकर उषस्ति ने अपनी पत्नी को भी थोड़े-से उड़द दिए। आटिकी ने कुछ दाने खाकर अपनी भूख मिटाई और बचे हुए उड़द वस्त्र में बांधकर रख लिए।अगले दिन उषस्ति ने पत्नी से कहा, मुझे पता लगा है कि इस राज्य का राजा यज्ञ कर रहा है और उसे ऋत्विज की जरूरत है। यदि राजा के पास जाऊं, तो शायद मुझे यज्ञ में कोई कार्य अवश्य मिल जाए, जिससे हमें थोड़ा धन प्राप्त होगा और हमारी स्थिति सुधर जाएगी।आटिकी ने तुरंत पिछले दिन के बचे हुए उड़द उषस्ति को दिए। उषस्ति उड़द खाकर राजा के यज्ञ में चला गया। वहां उपस्थित अन्य ब्राह्मणों को यज्ञ-कर्म में कुछ भूल करते देखा, तो उषस्ति ने टोकते हुए कहा, 'क्या आपको पता है, आप जिन देवता की स्तुति कर रहे हैं, वे कौन हैं? यदि अधिष्ठाता को जाने बिना स्तुति करेंगे, तो यज्ञ निष्फल हो जाएगा। यह सुनकर सभी ऋत्विज उषस्ति की प्रशंसा करने लगे।

# सुशांत सिंह राजपूत को याद कर भावुक हुए मनोज बाजपेयी

## बोले- मुझे अभी भी विश्वास नहीं होता...

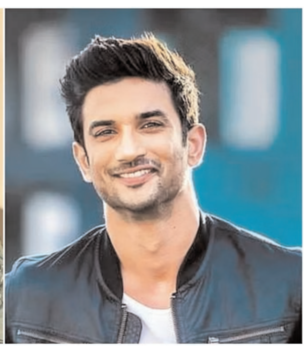

अभिनेता मनोज बाजपेयी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म भैया जी को लेकर चर्चा में हैं। अभिनेता फिल्म के प्रमोशन में बिजी चल रहे हैं। ये फिल्म 24 मई को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। हाल ही में मनोज ने दिवगंत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत को याद किया है। इस दौरान उन्होंने खुलासा किया कि अभिनेता की मौत से करीब दस दिन पहले उनकी उनसे बात हुई थी। दोनों ने साथ में फिल्म सोनचिड़िया में काम किया था। मनोज बाजपेयी ने एक बातचीत के दौरान बताया कि सुशांत सिंह राजपूत को सबसे यादा परेशानी क्या थी। उन्हो ने कहा, सुशांत ब्लाइंड आर्टिकल्स से काफी परेशान थे। यानी ऐसे आर्टिकल्स जिनके पीछे कोई सचाई नहीं होती। वह एक बहुत अछे इंसान थे और जो कोई भी अछा होगा, वह ऐसे आर्टिकल्स से परेशान होगा। वह अक्सर मुझसे पूछते थे कि उन्हें क्या करना चाहिए। मैंने हमेशा उनसे कहा कि वह इसके बारे में यादा नहीं सोचे। उन्होंने बताया कि सुशांत और उनकी आखिरी बातचीत अंध लेखों के इर्द-गिर्द घूमती हुई थी। अभिनेता ने कहा, मेरे पास ऐसे अंध लेखों को प्रकाशित करने वालों से निपटने का एक अलग तरीका है। ऐसे लेख छापने वाले लोग जब भी मुझसे मिलते थे तो मैं उनके दोस्तों से कहता था कि मनोज आएंगे और उनकी खूब पिटाई करेंगे। इस पर वह खूब हंसते थे। वह कहते थे कि सर, यह काम सिर्फ आप ही कर सकते हैं। सुशांत सिंह राजपूत के निधन पर बात करते हुए मनोज ने कहा, उनकी मृत्यु सिर्फ दस दिन बाद हुई। मैं आश्चर्यचकित था। मुझे अभी भी विश्वास नहीं हो रहा है कि सुशांत और इरफान खान चले गए। वे दोनों बहुत जल्दी चले गए। उनका समय अभी आना बाकी था। सुशांत का जून 2020 में निधन हो गया था। उनके निधन ने मनोरंजन जगत में शोक की लहर दौड़ गई थी। मनोज बाजपेयी की 100वीं फिल्म भैया जी जल्द ही रिवीज होने वाली है। अपूर्व सिंह कार्की के निर्देशनमें बनी इस फिल्म में मनोज बाजपेयी एक्शन अवतार में देखाई देंगे। फिल्म का ट्रेलर जबर्दस्त एक्शन से भरपूर है। ये फिल्म 24 मई को रिलीज होगी।

# बाफ्टा टीवी पुरस्कार का हुआ एलान, टिमोथी स्पाल की झोली में गिरा सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का अवॉर्ड

बाफ्टा टीवी अवॉर्ड्स का आयोजन आज लंदन में किया जा रहा है। पूरी दुनिया में इस टीवी शो के दीवाने इस अवॉर्ड नाईट का इंतजार करते रहते हैं। आइए आपको बताते हैं इस साल बाफ्टा टीवी अवॉर्ड्स में किन-किन टीवी शो ने बाजी मार ली है। कौन से सितारे आज बाफ्टा पुरस्कार के साथ घर जाएंगे, सबकुछ आपको हम यहां बताने वाले हैं।

### द क्राउन है रेस में आगे

बाफ्टा टीवी अवॉर्ड्स टेलीविजन की दुनिया के प्रतिष्ठित पुरस्कारों में से एक पुरस्कार है। इस अवॉर्ड को पाना हर निर्देशक और आर्टिस्ट का सपना होता है। इस साल बाफ्टा टीवी अवॉर्ड्स को जीतने के लिए द क्राउन का सीधा मुकाबला सक्सेशन और ब्लैक मिरर से हो रहा है। वहीं द क्राउन का अंतिम सीजन 2024 के अंत में लॉन्च किया जाएगा। यह शो चार नामांकन के साथ आगे चल रहा है।

### कब और कहां देखें बाफ्टा टीवी अवॉर्ड्स

बाफ्टा टीवी अवॉर्ड्स का प्रसारण लंदन के स्थानीय समय के अनुसार शाम सात बजे से शुरू किया जाएगा। इस साल इस शो की होस्टिंग रोमेश रंगनाथन और रॉब बेकेट करने वाले हैं। वहीं इस शो को बीबीसी पर प्रसारित किया जाएगा। इसके अलावा इसकी स्ट्रीमिंग बीबीसी आईप्लेयर पर भी की जाएगी। अमेरिका, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया में यह शो दोपहर दो बजे के बाद देखा जा सकता है।

### बाफ्टा पुरस्कार के विजेताओं की लिस्ट

बाफ्टा टीवी अवॉर्ड्स की होस्टिंग रोमेश रंगनाथन और रॉब बेकेट करेंगे। वहीं विजेताओं को पुरस्कार देने के लिए बेबी रेनडियर के निर्माता रिचर्ड गैड के अलावा जेफ गोल्डब्लम, मार्टिन फ्रीमैन और एडन टर्नर जैसे सितारे वहां उपस्थित रहने वाले हैं। वहीं अगर विजेताओं की बात करें तो अभी तक सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री का पुरस्कार जैस्मीन जॉब्सन को टॉप बॉय के लिए मिलने वाला है और मैथ्यू मैकफैडेन सक्शेसन के लिए सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का पुरस्कार दिया जाएगा। साथ ही साथ लीडिंग एक्ट्रेस की ट्रॉफी हैप्पी वैली के लिए सारा लंकाशायर को मिला और लीडिंग एक्टर के लिए टिमोथी स्पाल को द सिक्स्थ कमांडमेंट के लिए यह पुरस्कार मिला। इसके अलावा कॉमेडी में फीमेल परफॉर्मेंस के लिए ब्लैक ऑप्स के लिए गबेमिसोला इकुमेलो को बाफ्टा की ट्रॉफी से सम्मानित किया गया वहीं कॉमेडी में मेल परफॉर्मेंस के लिए मवान रिजवान को पुरस्कार मिला। इसके अलावा बेस्ट ड्रामा सीरीज के लिए टॉप बॉय और लिमिटेड ड्रामा सीरीज के द सिक्स्थ कमांडमेंट को चुना गया है।

# करोड़ों की मालकिन हैं सनी लियोनी, घर शानदार और गाड़ियां हैं चमकदार, कुल नेटवर्थ

सनी लियोनी आज अपना 43वां जन्मदिन मना रही हैं। उनका जन्म 13 मई, 1981 को कनाडा में एक भारतीय सिख परिवार में हुआ था। उन्होंने बॉलीवुड में अपने करियर की शुरूआत साल 2012 में आई फिल्म जिस्म 2 से की थी। हालांकि, वो साल 2011 में ही चर्चित रियलिटी शो %बिग बॉस% में आकर भारत में अपनी पहचान बना चुकी थीं। सनी का असली नाम करनजीत कौर वोहरा था, लेकिन एडल्ट इंडस्ट्री में काम करने के लिए उन्होंने अपना नाम सनी लियोनी रख लिया था। उनके तीन बच्चे- निशा, अशर और नूह है। सनी लियोनी को बॉलीवुड में %बेबी डॉल% नाम से भी जाना जाता हैं। उन्होंने %बेबी डॉल%, %चार बोतल वोडका%, %सैयां सुपरस्टार% और %ट्रिपी ट्रिपी% जैसे कई गानों में शानदार डांस किया है। उनके आइटम सॉन्ग काफी ज्यादा हिट होते हैं। एक समय था, जब फिल्म निर्माता अपनी फिल्मों को चर्चा में लाने के लिए सनी लियोनी का आइटम सॉन्ग शामिल किया करते थे। सनी के म्यूजिक वीडियोज पर आज भी जमकर व्यूज आते हैं। उन्होंने रागिनी एमएसएस 2, वन नाइट स्टैंड, कुछ कुछ लोचा है, ओ माई घोस्ट, बेईमान लव, एक पहेली लीला समेत कई फिल्मों में काम किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सनी लियोनी की नेटवर्थ 14 मिलियन डॉलर है। सनी विज्ञापनों, फिल्मों और पेड प्रोमोशन से पैसे कमाती हैं। आइटम सॉन्ग और स्टेज शो भी उनकी आय का सोर्स है। कहा जाता है कि वह महीने का एक करोड़ रुपये कमा ही लेती हैं। सनी लियोनी के पास लॉस एंजिल्स में 19 करोड़ रुपये का शानदार बंगला है। कोरोना महामारी के वक्त उन्होंने इसी घर में अपने परिवार के साथ समय बिताया था। सनी के पास मुंबई के अंधेरी इलाके में भी एक पेंटहाउस है। इन दो महंगे घरों के अलावा उनके पास लग्जरी कार भी है। उनके पास मैसेराटी क्वाट्रोपोर्टे, बीएमडब्ल्यू 7 सीरीज के साथ-साथ एक ऑडी ए5 भी है। सभी कारों की की कीमत कई करोड़ है।

# अपने पिता की मौत को याद कर छलके भैया जीके आंसू

## बोले- मैंने कहा अब जाइए आपका समय हो गया है

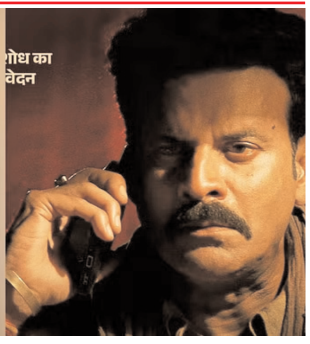

चाहे बॉलीवुड स्टार्स हो या आम इंसान माता-पिता की मौत से निपटना कभी भी किसी के लिए आसान नहीं होता है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो बॉलीवुड के जाने-माने अभिनेता मनोज बाजपेयी ने पिछले साल छह महीने के अंतराल में अपने माता-पिता दोनों खो दिया। यह वक्त अभिनेता के लिए काफी कठिन था। हाल ही में अपनी फिल्म भैया जीके प्रमोशन के दौरान मनोज अपने पिता को याद करते दिखाई दिए।

### पिता के था काफी करीब

मनोज बाजपेयी अपने पिता के संग एक प्यारा रिश्ता साझा करते थे। मनोज बीते दिनों को याद करते हुए कहते हैं, मेरे पिता मुझे प्यार करते थे। हम एक अलग किस्म के बांड को साझा करते थे। वे अपने आखिरी दिनों में काफी बीमार रहने लग गए थे। मेरी मां नहीं चाहती थीं कि हम भाई-बहन किसी भी तरह से परेशान हों इसलिए वे हर चीज को अपने तरीके से हैंडल करती आई थीं।

किलर सूप की शूटिंग में था व्यस्त

मनोज बाजपेयी अपनी बात जारी रखते हुए कहते हैं, एक दिन मुझे मेरी बहन का कॉल आया और उन्होंने कहा कि शायद अब पिता जी का अंतिम समय निकट आ गया है, लेकिन वे अपने शरीर को त्याग नहीं पा रहे हैं। मुझे लगा कि पिता जी मुझसे इतना प्यार करते हैं और मुझसे मिले बगैर वे इस दुनिया से नहीं जाना चाहते हैं। वैसे भी मैं जब भी उन्हें कॉल करता था तब कहता था कि शूटिंग खत्म करके मैं आपसे मिलने आऊंगा। उन दिनों मैं किलर सूप की शूटिंग में व्यस्त था।

### पिता से कहा चले जाने को..

किलर सुपस्टार अपने पिता की मौत को याद करते हुए कहते हैं, मैंने सोचा अगर मैं पिता जी से कहूंगा कि आप अपने शरीर को मुक्त कर दीजिए तो वे कर लेंगे। मैं यह सोच ही रहा था तभी मुझे किलर सूपके एक शॉट देने के लिए मेरा स्पॉट बॉय मुझे बुलाने के लिया आया था। मैंने उनके सामने ही अपने पिता से बातें करते हुए कहा बाऊजी आप जाइए, अब आपका समय हो गया है बाऊजी। मेरे लिए वह क्षण मेरे जीवन का सबसे कठिन क्षण था। मेरा स्पॉट बॉय वहीं खड़ा हो कर रोने लगा और मैंने शॉट देने चला गया। अगली सुबह पिता जी इस दुनिया को छोड़कर चले गए थे।

# ऋचा चड्ढा से लेकर बॉबी देओल तक, छोटी भूमिकाओं के बाद भी स्क्रीन पर छाए ये सितारे

फिल्म आनंद का एक डायलॉग जिंदगी बड़ी होनी चाहिए, लंबी नहीं काफी ज्यादा मशहूर हुआ था। यही बात किरदारों पर भी लागू होती है। आज हम आपको कुछ ऐसे अभिनेताओं के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्होंने कम स्क्रीन टाइम में भी अपनी अदाकारी से लोगों के दिलों पर अमिट छाप छोड़ी। आइए जानते हैं...

### ऋचा चड्ढा

संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज हीरामंडी- द डायमंड बाजार की चर्चा इन दिनों हर तरफ हो रही है। इस शो में कई अभिनेत्रियों ने काम किया है, लेकिन ऋचा चड्ढा ने लज्जो के रूप में लोगों पर गहरा प्रभाव डाला है। इस वेब सीरीज में उनके अभिनय की लोग जमकर तारीफ कर रहे हैं। अपनी अदाकारी से उन्होंने इस छोटे से रोल में भी जान फूंक दी है।

### तृप्ति डिमरी

रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल बीते साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक थी। संदीप रेड्डी वंगा के निर्देशन में बनी इस फिल्म में तृप्ति डिमरी कैमियो रोल में नजर आई थीं। फिल्म में अपने प्रदर्शन से उन्होंने लोगों का दिल जीत लिया था। इस फिल्म के बाद तृप्ति की लोकप्रियता में गजब का इजाफा देखने को मिला है।

### बॉबी देओल

एनिमल में बॉबी देओल भी कैमियो रोल में नजर आए थे। कम स्क्रीन टाइम के बावजूद अपनी एक्टिंग से उन्होंने लोगों के मन में अमिट छाप छोड़ी थी। फिल्म में उनका जमाल कुडू स्टेप काफी ज्यादा पसंद किया था। इस फिल्म के बाद बॉबी जल्द ही कंगुवा में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में वे नकारात्मक भूमिका में हैं।

### विक्की कौशल

राजकुमार हिरानी की डंकी में विक्की कौशल ने अपने किरदार से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया था। अपने सीमित स्क्रीन समय के बावजूद, विक्की ने अपनी भूमिका को गहराई और भावना से भर दिया था। वे जल्द ही छावा और बैड न्यूज जैसी फिल्मों में नजर आने वाले हैं।

# जॉली एलएलबी 2 से लेकर रुसतम तक, इन कोर्टरूम ड्रामा फिल्मों से अक्षय ने खूब मचाया धमाल

बड़े मियां छोटे मियां के बाद अक्षय कुमार इन दिनों अपनी आगामी फिल्म जॉली एलएलबी 3 को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में अभिनेता ने अपनी इस फिल्म की शूटिंग राजस्थान में शुरू की थी। सेट से फिल्म के कई वीडियोज और फोटोज सामने आए थे। दर्शकों को इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। इससे पहले भी अक्षय कई ऐसी कई कोर्टरूम ड्रामा फिल्मों में काम कर चुके हैं। आइए जानते हैं...

**ओएमजी- ओएमजी 2** अक्षय कुमार की सुपरहिट फ्रेंचाइजी में ओएमजी का नाम जरूर शामिल किया जाता है। दोनों ही कोर्टरूम ड्रामा फिल्में थीं, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा था। पहले भाग में खिलाड़ी कुमार के साथ परेश रावल नजर आए थे। वहीं, फिल्म के दूसरे भाग में पंकज त्रिपाठी ने अपनी अदाकारी से लोगों के दिल जीत लिए थे।

**जॉली एलएलबी 2** जॉली एलएलबी के बाद अक्षय कुमार इस फ्रेंचाइजी के दूसरे भाग में मुख्य अभिनेता के रूप में दिखे थे। लखनऊ की पृष्ठभूमि पर बुनी गई यह फिल्म दर्शकों का दिलों मे खास जगह बनाने में कामयाब रही थी। सुभाष कपूर के निर्देशन में बनी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई थी।

**रुसतम** अक्षय कुमार की हिट फिल्मों में रुसतम का नाम भी शामिल है। इस फिल्म में वे नौसेना अफसर के किरदार में नजर आए थे। फिल्म में उनके साथ इलियाना डिक्रूज भी थीं। सुरेश टीनू देसाई के निर्देशन में बनी इस कोर्टरूम ड्रामा फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की थी।

# बिब्बो जान की एक्टिंग देख छलके मंगेतर सिद्धार्थ के आंसू, खुद अदिति हैदरी ने किया खुलासा

अभिनेत्री अदिति राव हैदरी इन दिनों हीरामंडी- द डायमंड बाजार की सफलता का जश्न मना रही हैं। संजय लीला भसांली के इस शो में वे बिब्बो जान के किरदार में नजर आ रही हैं। दर्शकों को उनका यह किरदार काफी पसंद आ रहा है। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान वे अपने मंगेतर सिद्धार्थ के बारे में खुलकर बातें करती नजर आईं। साथ ही साथ उन्होंने यह भी बताया कि सिद्धार्थ को हीरामंडी कैसी लगी।

### सिद्धार्थ की आंखों में आंसू थे

अदिति राव हैदरी हीरामंडी में खूबसूरत तवायफ बिब्बोजान की भूमिका में नजर आ रही हैं। अदिति कहती हैं, जब सिद्धार्थ ने हीरामंडी तब वे कुछ भी बोल नहीं पाए। उनकी आंखें भरी हुई थीं। वे रो रहे थे। उन्हें हीरामंडी में मेरा किरदार काफी पसंद आया। सिद्धार्थ ने कहा कि वे संजय लीला भंसाली से मिलना चाहेंगे।

### घर में हैं दो स्वतंत्रता सेनानी

हीरामंडी स्टार अपनी बात जारी रखते हुए कहती हैं, हम दोनों ही सिनेमा के प्रति दीवाने हैं। अछी फिल्में हम साथ में देखते हैं। सिद्धार्थ को हीरामंडी बहुत पसंद आई। जब वे शो को देख रहे थे मैंने देखा उनकी आंखें सूजी हुई थी। वे कुछ भी बोल नहीं पा रहे थे। बाद में उन्होंने कहा कि अब घर में दो स्वतंत्रता सेनानी हो गए हैं। ऐसा सिद्धार्थ ने बिब्बोजान के किरदार को देखते हुए कहा था।

### रंग दे बसंती से की तुलना

अदिति राव हैदरी के काम को देखते हुए सिद्धार्थ ने हीरामंडी के बिब्बोजान की तुलना रंग दे बसंती के करण सिंघानिया से करते हुए कहा, अब घर में दो लोग ऐसे हैं जिन्होंने आजादी की लड़ाई में हिस्सा लेने वाले किरदार को निभाया है। शो के दौरान देश की आजादी के लिए बिब्बोजान अपने जान को कुर्बान कर देती हैं। दर्शकों को अदिति की एक्टिंग काफी पसंद आ रही है।

# संजय लीला भसांली की भांजी हो रही हैं ट्रोल, अब शर्मिन सहगल के समर्थन में आईं बिब्बो जान

अदिति राव हैदरी इन दिनों सुर्खियों में बनी हुई हैं। बॉलीवुड की यह खूबसूरत अदाकारा संजय लीला भंसाली के शो हीरामंडी में अहम भूमिका निभाती नजर आ रही हैं। दर्शकों को वे बिबोजान के किरदार में काफी पसंद आ रही हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान वे अपने को-स्टार शर्मिन सहगल के बारे में बातें करती नजर आईं अदिति राव हैदरी से जब पूछा गया कि उन्हें कैसा लगता है जब वे सुनती हैं कि शर्मिन सहगल को उनके किरदार आलमजेब के लिए ट्रोल किया जा रहा है। इस सवाल के जवाब में वे कहती हैं, देखिए ये सरासर गलत है। आप किसी को पसंद या नापसंद कर सकते हैं, लेकिन ट्रोलिंग अनुचित है। अदिति राव हैदरी अपनी बात जारी रखते हुए कहती हैं, देखिए हर बात को कहने का एक सलीका होता है। मैं बिल्कुल भी इस बात कर समर्थन नहीं करती हूं। यह एक ओछी हरकत है। जिसकी मैं निंदा करती हूं। संजय लीला भंसाली की भांजी शर्मिन सहगल उनके शो हीरामंडी में अहम किरदार निभाती नजर आई हैं। यह शो नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम कर रहा है। शो के रिलीज होने के बाद से ही शर्मिन सहगल को भारी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ रहा है। सोशल मीडिया पर लोग उन्हें नेपोकिड्स के नाम से बुला रहे हैं।

# धरावता में किसान को लूटने वाले दो आरोपी गिरफ्तार,नगदी भी बरामद

रतलाम – जिले के रिंगनोद थाना क्षेत्र के धतरावदा में करीब पांच दिन पहले मंडी से फसल बेच कर लौट रहे एक किसान के साथ हुई सनसनीखेज लूट पर्दाफाश करते हुए लूट में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस ने लुटे गए अस्सी हज़ार रूपये भी लुटेरों से बरामद कर लिए है। पुलिस सूत्रों के अनुसार विगत दिनांक 07 मई को भेरूलाल पिता भंवरलाल नायक जाति नायक उम्र 52 साल नि. भोलिया थाना अफजलपुर अपने लडके करण उम्र 10 साल के साथ मंडी में गेंहू अलसी बेच कर वहा से मिले 80000/–रुपये लेकर अपनी ट्रेक्टर ट्राली से अरनिया पीथा मण्डी जावरा से अपने घर भोलिया के लिए करीब 4.00 बजे जा रहे थे। रास्ते मे ग्राम धतरावदा से आगे खेत के पास आमरोड पर दो लडके उम्र करीबन 25 साल के मोटर सायकल से आए और कहा ट्रेक्टर रोको तुम्हारे ट्रेक्टर के पीछे कुछ घिसा रहा है । इस पर भेरूलाल ने ट्रेक्टर रोककर ड्रायवर सीट पर बैठे बैठे ही पीछे निगाह डाली। इतने में मोटर सायकल से एक लडका उतरकर आया और भेरूलाल की कमीज की जेब फाडकर ही 80000/– छीन लिए। इसके बाद दोनो लडके मोटर सायकल लेकर भाग गये। फरियादी भेरूलाल ने अपने साथ हुई लूट की रिपोर्ट थाने पर की जिस पर से रिंगनोद पुलिस थाने पर अपराध क्रं. 169/2024 धारा 392 भादवी का पंजीबद्ध कर लुटेरों की तलाश प्रारम्भ की गई। लूट जैसे गंभीर अपराध को देखते हुए पुलिस अधीक्षक राहुल कुमार लोढा के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश खाखा के मार्गदर्शन में एसडीपीओ जावरा शक्तिसिंह चौहान ने थाना प्रभारी रिंगनोद पतिराम डावरे के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया । पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया तथा घटना स्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरो की लगातार फुटेज चेक किए। सीसीटीवी फुटेज पुलिस को दो संदिग्ध व्यक्ति मोटर सायकल पल्सर गाडी पर दिखाई दिए। इन अज्ञात आरोपियों की तलाश के दौरान पुलिस टीम ने शनिवार को मोटर सायकल

सहित दोनो आरोपियों को पकड़ लिया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने अपने नाम .पवन आंजना पिता भगवतीलाल आंजना उम्र 20 साल नि. ग्राम खजुरिया आंजना हा.मु. रातीखेडी थाना अफजलपुर जिला मंदसौर और यशवंत आंजना पिता गोवर्धनलाल जाति आंजना उम्र 22 साल नि. रातीखेडी थाना अफजलपुर जिला मंदसौर का होना बताया। आरोपीगणो से लूट के संबंध में कडाई से पूछताछ करने पर उन्होंने लूट की वारदात करना स्वीकार किया ।

**गिरफ्तार आरोपी**

पवन आंजना पिता भगवतीलाल आंजना उम्र 20 साल नि. ग्राम खजुरिया आंजना हा.मु. रातीखेडी थाना अफजलपुर जिला मंदसौर

2.यशवंत आंजना पिता गोवर्धनलाल जाति आंजना उम्र 22 साल नि. रातीखेडी थाना अफजलपुर जिला मंदसौर

**जप्त मश्रुका**

80000/– नगदी

एक ब्लैक कलर की लाल पट्टे की पल्सर मोटर सायकल कीमत

**सराहनीय भुमिका**

आरोपियों की गिरफ्तारी में थाना प्रभारी रिंगनोद निरीक्षक पतिराम डावरे, उनि आर एस मेहडा उनि जितेन्द्र कनेश उनि सउनि संजय बोराना , आर. 749 नरेन्द्र सिंह हाडा आर. 376 प्रकाश भास्कर , आर.941 असलम खान आर.655 बलराम पाटीदार आर. 329 अतुल दुबे आर 1059 ब्रजकिशोर आर 1111 पप्पू भाटी आर 1078 रविन्द्र आर जशवंत व सायबर सेल रतलाम के प्र.आर. मनमोहन शर्मा, आर.विपुल भावसार, आर.मयंक व्यास, आर. राहुल पाटीदार, आर. तुषार की सराहनीय भूमिका रही ।

# पेड़ पौधों की सुरक्षा हेतु पर्यावरण मित्रों ने किया 2 घंटे श्रमदान

नीमच/ आमजन एवं शहरवासियों को शुद्ध वातावरण के साथ शुद्ध वायु आक्सीजन प्राप्त हो इसी उद्देश्य को लेकर संकल्प पर्यावरण मित्र संस्था नीमच के सदस्य निरन्तर अभियान चला कर शहर से गांव तक पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में नि स्वार्थ भावना से सेवारत हैं संस्था सदस्यों ने अब तक जिले भर में 50 हजार से अधिक पोंधे रोपित कर पेड़ बनाने का काम किया है इसी कड़ी में संस्था सदस्यों द्वारा रविवार दिनांक 12 मई को प्रात: 7 से 9 बजे तक जवाहर नगर स्थित ग्रीन बेल्ट पार्ट टू में 2 घंटे श्रमदान कर पेड़ पौधों के आसपास साफ–सफाई कर कंटीली झाड़ियां हटाई गई एवं परिसर से प्लास्टिक, पोलेथिन थैलियां पन्नी, गंदा कचरा आदि एकत्रित किया गया छोटे छोटे पोधो के आसपास साफ–सफाई कर निंदाई गुड़ाई की गई अभियान में संस्था अध्यक्ष किशोर बागड़ी, सचिव डॉ राकेश वर्मा, राजकुमार सिन्हा, सुकुमार आगार,मनीष जैन, केशव मनोहर सिंह चौहान आदि ने श्रमदान कर सहभागिता निभाई उक्त जानकारी संस्था के सुकुमार आगार ने दी है, डॉ राकेश वर्मा प्रवक्ता संकल्प पर्यावरण मित्र संस्था नीमच

# जिला निर्वाचन अधिकारी ने किया सामग्री वितरण कार्य का निरीक्षण

*बड़वानी /लोकसभा निर्वाचन के मद्देनजर 13 मई को होने वाले मतदान के लिए रविवार को मतदान पार्टियों को जिले की चारों विधानसभा मुख्यालयों से मतदान सामग्री का वितरण किया गया। इस दौरान कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. राहुल फटिंग ने जिले की चारों विधानसभा मुख्यालयों से वितरित होने वाली सामग्री वितरण स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान कलेक्टर ने सामग्री वितरण स्थल के परिसर में घूम–घूमकर मतदान कर्मियों को हौंसला बढ़ाया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. फटिंग ने मतदान कर्मियों से कहा कि मतदान दल के सदस्य मिल–जुलकर कार्य करे, अगर कोई कर्मी भूलवश कोई त्रुटि करने वाला हो तो दल का दूसरा सदस्य उसे रोककर प्रशिक्षण में बताई गई बातों के अनुसार सही कार्य करे। किसी भी स्थिति में मतदान दल असंगठित न हो, संगठित होकर ही शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष मतदान कराये। बसो की व्यवस्था को भी देखा कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. राहुल फटिंग ने मतदान दलों की रवानगी के पूर्व विधानसभा राजपुर एवं बड़वानी में बसों की व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होने निर्देशित किया कि मतदान पार्टी किसी भी स्थिति में खड़े–खड़े बस में नही जायेगी। हर मतदान कर्मी को बैठने के लिए सीट की सुविधा हो।*

# शहीदो की याद मे मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने बांटे सकोरे

गंजबासौदा ।मुस्लिम राष्ट्रीय मंच द्वारा वर्ष 2007 से निरंतर भारत के प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम 1857 की क्रांतिकी वर्षगांठ 10 मई से 30 मई तक देश में विभिन्न स्थानों पर सलाम 1857 सलाम शहीदाने वतन के रूप में मनाई जाती है। इसी क्रम मे गौ सेवा प्रकोष्ठ द्वारा लाखो शहीद ए वतन की याद मे रविवार को भीषण गर्मी मे चिडियो, पक्षियो के लिऐ दाना पानी रखने के सकोरे वितरण किऐ गये ।कार्यक्रम के विषय मे विस्तार से बताते हुऐ राष्ट्रीय सह संयोजक सैयद शफाकत हुसैन कादरी ने बताया भारत की स्वतंत्रता हेतु सन् 1857 से 1946 तक लगभग 2 करोड़ 72 लाख राष्ट्रभक्तों ने प्राणाहुति दीं, जिनमें 15000 मुफ़्ती तथा लगभग 33 हज़ार हाफ़िज़ भी शामिल थे ।1857 की क्रांति में लड़ने वाले शहीदों में कई ऐसे थे जिन्हें अंग्रेजों ने पेड़ों पर लटका कर शहीद किया तथा उन्हें न तो कब्र और न ही अग्निमुख नसीब हुई, क्योंकि अंग्रेजों का आदेश था कि जो उनके शवों को भी पेड़ों से निकलेगा उसे भी सज़ा–ऐ–मौत दी जाएगी। सन् 1857 में अंग्रेजों के विरुद्ध संघर्ष का

राष्ट्रवादी अंग्रेजो के खिलाफ फ़तवा निकाला गया था। भारत की स्वतंत्रता में देशभक्त हिन्दू व मुसलमान दोनों का बलिदान रहा परन्तु राजनैतिक व्यवस्था ने उनके बलिदानों को भुला दिया । जो न ही राष्ट्र तथा न ही राष्ट्रभक्ति की दृष्टि से उचित है। अत: इन शहीदों को स्मरण करने तथा बलिदानों को राजनीतिकरण के कृत्य से निकालने की मंशा वश मुस्लिम राष्ट्रीय मंच द्वारा ये आयोजन किए जाते हैं ताकि वर्तमान व आगे आने वाली पीड़ी यह न भूले कि 1857 की क्रांति के प्रमुख सूत्रधर अज़ीमुल्लाह ख़ान भारत के अंतिम सम्राट बहादुर शाह जफर मंगल पांडे ने सभी धर्म प्रमुख संग मिलकर राष्ट्ररक्षा हेतु कार्य किए।अज़ीमुल्लाह ख़ान द्वारा 1857 की क्रांति में जो नारा दिया गया था वह मादरेवतन हिंदुस्तान जिंदाबाद था ।जिसका हिंदी अनुवाद भारत माता की जय long live mother land है, परन्तु सत्तापिपासुओं की हवस ने अज़ीमुल्लाह ख़ान के इस महान नारे को भी तुच्छ राजनैतिक स्वार्थ हेतु नहीं बख्शा। यहाँ तक कि जय हिंदका नारा देने वाला भी कोई और नहीं बल्कि नेताजी सुभाषचन्द्र बोस का कैप्टन आबिद हसन था जिनके नाम को भी राजनीतिकरण ने इतिहास में भुला दिया। इन कार्यक्रमों द्वारा मुस्लिम राष्ट्रीय मंच का लक्ष्य मंगल पांडे जैसै भुलाए हुए शहीदों का सम्मान पुनः स्थापित करना तथा वर्तमान व भविष्य की पीड़ियों को यह बतलाना है कि किस प्रकार देश के हिन्दू व मुसलमानों ने कन्धे से कन्धा मिला कर राष्ट्र की रक्षा की है। इस अवसर पर खन्ना मेडीकल स्टोर के संचालक योगेश खन्ना ने बच्चो को भाप लगाने की सुविधा मशीन नि:शुल्क करने की घोषणा की ।इस अवसर पर समाजसेवी राम सिंह रघुवंशी, वरिष्ठ नेता मुकेश सेन , मुकेश , राजकुमार उस्ताद, राकेश , मीनेश सोनू गौर शेखर दांगी लखन राय रामबाबू दांगी उदित सेन सुमित भाई रोहित रघुवंशी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित हुए।

# दिन व दिन सिकुड़ती नदियों की जल धार, नदियां मानो प्रदूषण और कचरे का घर द्वार संपन्न हुआ साप्ताहिक श्रमदान अभियान 3.0 का बत्तीस वा चरण

**गंज बासौदा।** नदी जल स्वच्छता ,संरक्षण और पर्यावरण संवर्धन के लिए श्रमदान दल द्वारा निरंतर चलाए जा रहे साप्ताहिक श्रमदान अभियान 3.0 का रविवार को बत्तीस वा चरण बेतवा नदी स्थित रिपटा घाट संपन्न हुआ। हर रविवार की भांति सुबह ही श्रमदान दल के सदस्य पूर्व निर्धारित समय पर बेतवा नदी रिपता घाट पहुंचे और अपने साप्ताहिक नदी स्वच्छता कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए श्रमदान दल के सदस्यों ने रिपटा घाट एवम नदी के प्रभाव क्षेत्र में रूढ़िवादी परंपराओं , अंधविश्वास और अड़ियल प्रवृति और मूर्खता बस किए गए कार्य के चलते नदी में डाली जा रही प्लास्टिक पॉलीथिन , प्लास्टिक थैले एवम बोरियां, तेल, पानी, साबुन, शैम्पू एवम गुटका तंबाकू पाउच, कहीं भी बैठ कर कटाए गए बाल,गंदे कपड़े एवम पूजन व हवन सामग्री,फूल तथा फूल मालाएं, शादी कार्ड , प्लास्टिक और कास्ट की टूटी फूटी मूर्तियां आदि को बोरियों में भर कर एक स्थान पर एकत्रित किया। ताकि हवा और पानी के संग रसायनिक अभिक्रिया करके उक्त सभी सामग्री नदी के जल को ओर अधिक प्रदूषित न कर सके ।जल के अभाव में जिंदगी जंग के समान होगी वैसे तो पानी या जल दो शब्दों का ऐसा पेय पदार्थ जिसके अभाव में जीवन की तो छोड़ो इस देश ,दुनिया और संसार की कल्पना करना अर्थात तूफान में दिया जलाने की कल्पना करने जैसा है। क्यों कि जिस तरह हम सभी को

ज्ञात है कि तूफान में दिया को जलाना एक असंभव कार्य है ठीक वैसे ही जल के अभाव में जीवन की कल्पना करना मूर्खता है । इसलिए आज आवश्यकता है कि हम जल एवम नदियों के साथ साथ प्राकृतिक संसाधनों के महत्व को समझें। क्यों कि हमारा समाज निरंतर औद्योगिकरण एवम अपनी बुनियादी आवश्यकता के लिए जरूरत से अधिक प्राकृतिक संसाधनों का दोहन करता जा रहा हैं । प्रकृति सभी को समान मात्रा में हवा, पानी, प्रकाश, ऊर्जा सदियों से प्रदान करती आ रही हैं परंतु इसका अर्थ यह तो नहीं कि हम प्रकृति द्वारा निशुल्क उपलब्ध कराए गए संसाधनों का मनमर्जी से दोहन करें। संसाधनों को संरक्षित करने के लिए केवल सरकारें ही जिम्मेदार नहीं हैं बल्कि हर व्यक्ति की नैतिक जिम्मेदारी है और प्रत्येक व्यक्ति को अपनी नैतिक जिम्मेदारी समझने की आवश्यकता भी हैं यदि अभी भी हमने संसाधनों को सहजने का प्रयास प्रारंभ नहीं किया तो आने वाली पीढ़ी के लिए जिंदगी जीना किसी जंग से कम नही होगी ।बत्तीस वे चरण के श्रमदान कार्य में नितिन अग्रवाल, अजय गुप्ता, राकेश रघुवंशी , नीरज साहू, रुद्रांश सिंह, एवन सिंह विश्वकर्मा, अंशु शर्मा एवम बाल श्रमदानी अरनव रघुवंशी उपस्थित रहें।

## कालसेन भैरव बाबा की छट दिनांक 14 मई को मनाई जाएगी

**गंज बासौदा** प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी वैशाख माह की बड़ी छठ दिनांक 14 मई दिन मंगलवार को कलयुग के पालनहार शक्ति के दाता भगवान शिव के अंश अवतार श्री कालसेन भैरव बाबा मंदिर गांधी चौक पर प्रात: 9:00 बजे विशेष पूजन अभिषेक दोपहर 12-00 बजे भगवान श्री सत्यनारायण व्रत कथा हवन के पश्चात श्री कालसेन भैरव बाबा की महा आरती होगी आरती के उपरांत श्री भैरव बाबा की सवारी विदिशा वाले संतोष पंडा जी के सिर आवेगी बाबा उपस्थित भक्तों को उनकी समस्याओं के समाधान के उपाय बताएंगे प्रसाद वितरण होगा बाबा के दरबार में दूर–दूर से भक्त अनेकों जिलों से आकर के मन्नत पूरी करते हैं मुंडन संस्कार होते हैं

# मां के प्यार और देखभाल की तुलना इस दुनिया में किसी भी चीज से नहीं की जा सकती- ब्रह्माकुमारी रेखा दीदी

गंज बासौदा प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय मंशापूर्ण हनुमान मंदिर के पास स्थित सेवा केंद्र मैं मदर्स डे बड़ी धूमधाम से मनाया गया जिसमें ब्रह्माकुमारी रेखा दीदी ने बताया कि व्यवहारिक रूप से तो हर दिन माताओं का दिन होता है। लेकिन उनके मातृत्व, उनके बलिदान, उनके प्यार और देखभाल का सम्मान करने के लिए हर साल मई के दूसरे रविवार को मदर्स डे के रूप में मनाया जाता है। इस धरती पर एक माँ ही एकमात्र ऐसी शख्सियत है जो अपना पूरा जीवन बच्चों के लिए समर्पित कर देती है और बदले में कभी भी कुछ भी उम्मीद नहीं करती है। वह केवल देती है और वापस कुछ भी नहीं चाहती है। उसके बच्चे की हर मुस्कान उसकी मुस्कान बनाती है। एक मां के प्यार और देखभाल की तुलना इस दुनिया में किसी भी चीज से

नहीं की जा सकती है। माँ के प्यार के बदले में कुछ भी नहीं दिया जा सकता है। लेकिन आज बहुत से बच्चे मां के प्यार और देखभाल को हल्के में लेते हैं। वे उचित सम्मान नहीं देते हैं यहां तक कि वृद्ध आश्रम छोड़ आते हैं। मां वह है जो समर्थन की आवश्यकता होने पर हमेशा पीछे खड़ी रहती है। इसलिए, यह बच्चे के साथ–साथ परिवार के सदस्यों का भी कर्तव्य है कि जब उसे जरूरत हो तो उसके साथ खड़े रहें। बच्चे की सफलता और विकास के पीछे एक माँ का हाथ होता है जो उसके सपनों को हकीकत में लाने के लिए दिन–रात जागती रहती है। क्योंकि जिस दिन से बच्चा पैदा होता है, मां का काम शुरू हो जाता है। चलना, खाना, बोलना और लिखना सिखाने से लेकर वह हमेशा आपके साथ हैं। आज हम जो कुछ भी हैं, उसके लिए निरंतर समर्थन और मार्गदर्शन करने के लिए हमें अपनी माताओं को धन्यवाद करना चाहिए। ब्रह्माकुमारी अनु दीदी ने अपने विचार रखते हुए कहा कि मातृत्व दुनिया का सबसे बड़ा जुआ है. वहीं यह गौरवशाली जीवन शक्ति है। यह बहुत बड़ा और डरावना है लेकिन यह अनंत आशावाद का कार्य है। गिल्डा रेड्नर ने कहा। हर जीवन में मां की महिमा और महत्व को समझाने के लिए यह एक वाक्य काफी है। एक माँ परिवार का स्तंभ और रीढ़ होती है। सब कुछ त्याग कर और हमेशा खुश रहकर, वह साबित करती है कि सच्चा प्यार क्या होता है। वह बिना ब्रेक लिए और चेहरे पर एक बड़ी मुस्कान के साथ लगातार काम करती हैं। चूँकि भगवान हर जगह मौजूद नहीं हो सकते, इसलिए उन्होंने हमारे लिए माँ बनाई है। वह न केवल प्रेम का प्रतीक है बल्कि एक योद्धा भी है। वह सभी को खुश रखने के लिए लगातार सभी बाधाओं से लड़ती है। वह जन्म लेने वाले सभी लोगों के लिए पहली शिक्षिका, मित्र, मार्गदर्शक, दार्शनिक और यहां तक कि मनोवैज्ञानिक भी हैं। मैं यह कहना चाहूंगा कि इस धरती पर मां ही एकमात्र नि:स्वार्थ प्रेमी हैं तो इस मदर्स डे पर उनके लिए इस दिन को यादगार बनाकर हम यह प्रतिज्ञा करें हर मातृशक्ति को हम इज्जत सम्मान से देखेंगे, खुश रखने के लिए कार्य करेंगे।

## नीमच के विनोबा गंज में गौरव ने लगाई फांसी मौके पर पुलिस

नीमच– शहर के केंट थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले गरीब मोहल्ला विनोबा गंज में उस वक्त सनसनी फैल गई। जब शनिवार देर रात्रि में एक 24 वर्षीय युवक ने अज्ञात कारण के चलते फांसी लगाकर अपने जीवन लीला समाप्त कर ली। जिला चिकित्सालय से प्राप्त जानकारी अनुसार शहर के गरीब मोहल्ला विनोबा गंज नीमच निवासी एक 24 वर्षीय गौरव पिता विनोद जाति कुजबंधीय ने अज्ञात करण के चलते अपने घर मे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद तत्काल परिजन युवक को फांसी के फंदे से उतार कर जिला चिकित्सालय लाए। लेकिन वहां चिकित्सकों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। वहीं रविवार को जिला चिकित्सालय में युवक के शव का परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमॉर्टम किया गया।

# एक साथ रह रहे थे नाबालिक प्रेमिका प्रेमी

**वापस ले जाने पहुंची प्रेमिका की मां पर प्रेमी ने कट्टे से मार दी गोली**

सुनील यादव । सिटी चीफ ।

कटनी, कटनी जिले के स्लीमनाबाद थाना क्षेत्र ग्राम पड़वार में बिना शादी के प्रेमी के साथ रह रही एक नाबालिक किशोरी को घर वापस ले जाने पहुंची उसकी मां पर बेटी के प्रेमी ने कट्टे से गोली मार दी। घायल महिला को पहले तो इलाज के लिए परिजन स्लीमनाबाद शासकीय अस्पताल लेकर पहुंचे लेकिन उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे बाद में सिहोरा और सिहोरा से जबलपुर के जाया गया जहां पर उसका इलाज चल रहा है। पुलिस ने महिला के बयान दर्ज करते हुए कार्रवाई प्रारंभ कर दी है। स्लीमनाबाद एसडीओपी ने बताया की थाना क्षेत्र के ग्राम पड़वार निवासी एक नाबालिक युवक जिसका नाम कान्हा चौबे है उसका प्रेम प्रसंग 35 वर्षीय शिल्पा सिंह की बेटी से चल रहा था। कुछ समय से घायल महिला शिल्पा सिंह की बेटी अपने प्रेमी के घर पर ही रह रही थी। आज

जब नाबालिक प्रेमी के घर प्रेमिका की मां शिल्पा सिंह अपनी बेटी को घर वापस ले जाने के लिए उसके घर पहुंची तो नाबालिक कान्हा ने अपनी प्रेमिका को वापस भेजने से इनकार कर दिया। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ और नाबालिक युवक कान्हा ने अपनी प्रेमिका की मां शिल्पा सिंह के ऊपर कट्टे से फायर कर दिया। गोली महिला के सीने के करीब लगी है, उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। पुलिस ने महिला के बयान दर्ज करते हुए कार्यवाही प्रारंभ कर दी है।

**आईएमए की वार्षिक मेडिकल सेमिनार में दिल्ली, मुंबई, देहरादून, मेरठ से आए विशेषज्ञ डॉक्टरों ने दिए विख्यान**

# नर्सिंग होम्स और डॉक्टर्स पर लगने वाले नए-नए कानूनों से प्रशासन से छूट की मांग रखी

गौरव सिंघल । सिटी चीफ।

सहारनपुर, देहरादून रोड पर सिटी कन्वेंशन सेंटर में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के कार्यक्रम में पहुँचे जिलाधिकारी डा दिनेश चंद्र सिंह, महापौर डा अजय सिंह, आई एम ए के अध्यक्ष डा कलीम अहमद, मेडिकल कालेज प्रिंसिपल डॉ सुधीर राठी, यूपी स्टेट प्रेसिडेंट डा बबिता गुप्ता ने संयुक्त रूप से दीप जलाकर किया उद्घाटन किया और स्मारिका का विमोचन किया। डा. विकास अग्रवाल, डा. सौम्या जैन, डा. रजनीश दहूजा, डाक्टर प्रवीण शर्मा, रविकांत निरंकारी, डा. अनुपम मालिक आदि ने आए हुए स्पीकर्स का स्वागत किया। इस अवसर डा. कलीम अहमद ने नर्सिंग होम्स और डॉक्टर्स पर लगने वाले नए-नए कानूनों से प्रशासन से छूट की मांग रखी,और कहा कि डॉक्टर्स का पंजीकरण पाँच साल में एक बार होना चाहिए ना की प्रतिवर्ष इससे डॉक्टर्स का उत्पीड़न हो रहा है और पंजीकरण सरल किया जाना चाहिए। जिलाधिकारी डा.दिनेश चन्द्र ने इस अवसर पर चिकित्सकों का उत्साहवर्धन किया और अपनी लिखी किताब काल प्रेरणा के कुछ अंश भी सबके साथ साझा किए। उन्होंने डॉक्टर्स को कोरोनो वारियर कहते हुए भविष्य में भी एक योद्धा की तरह ही समाज को

बीमारियों से बचाने के लिए कार्यशील रहने प्रेरणा दी। वही मेयर डा. अजय ने कहा की कानून सभी के लिए एक समान है, और चिकित्सको के ऊपर भी नर्सिंग होम्स के जो कानून है वो सभी की भलाई के लिए ही है यदि उनसे किसी का शोषण होता है तो शासन- प्रशासन सभी की ही संभव मदद के लिए हमेशा तैयार है। देहरादून के हार्ट स्पेशलिस्ट डा. पुनिश सदाना और दिल्ली से आए कार्डियोलोजिस्ट डा के के सेठी ने हाई ब्लड प्रेशर की नई इलाज और दवाओं की जानकारी दी और मरीजों को धूम्रपान और नशे से बचकर योग को भी जीवन में अपनाने की सलाह दी। महंत इंदेश अस्पताल के बाल रोग विशेषज्ञ और प्रिंसिपल डा उत्कर्ष शर्मा ने मलेरिया के दवाओ और नई वेक्सिन की जानकारी दी। देहरादून के डा. ज्योति रैना और डा दीपक गर्ग ने रोबोटिक सर्जरी पर व्याख्यान दिया और इसके अनेकों फायदे बताए इसमें मरीज को जल्दी अस्पताल से छुट्टी मिल जाती है और खून चढ़ाने की जरूरत भी नहीं होती है। डा. के के पंडिता ने चक्कर आने की बीमारी वर्टिगो के बारे में बताया इसमें कान की अंदरूनी समस्या,ब्लड प्रेशर बढ़ने से,नसों की कमजोरी से हो सकता है और समय से इलाज जरूरी है। मेरठ से आए डा. अमिताभ गौतम ने डायबिटीज की दवाई अल्ट्रा लॉन्ग इन्सुलिन डेगलू डेक के बारे में बताया मुबई से आए रेडियोलॉजिस्ट डा उत्कर्ष नोसरान ने गर्भ में शिशु के दिमाग की नसों की जांच कैसे करे इसके बारे में जानकारी दी। डा. प्रमोज जिंदल ने फेफड़ों की सर्जरी और फेफड़ों के प्रत्यारोपण में आने वाली जटिलताओं और विस्तार से व्याख्यान दिया और फेफड़े के कैंसर से बचने के उपाय बताए। कार्यक्रम में डा रजनीश दहूजा, डा. हिंमाशु मेहता, डा. नरेश नोसरान, डा. रिक्की चौधरी, डा मनदीप सिंह,डा मोहन सिंह,डा मोहन पांडे, डा राजेश शर्मा, डा अनिता मलिक, डा सीमा अग्रवाल, डा नूतन उपाध्याय, डा श्वेता अग्रवाल, डा ननिता चंद्रा, डा रेणु शर्मा, डा इंदिरा सिंह, डा इंदिरा भार्गव,डा शोभा सैनी, डा पूनम मखीजा, डा रंजू चौधरी,डा शरद अग्रवाल,डा राजेश शर्मा, डा सुभाष सहगल, डा अजय सहगल, डा शरद अग्रवाल, डा अग्रवाल, डा प्रशांत खन्ना, डा शशिकांत सैनी, डा सी एम कमाल, डा आर के शर्मा, डा आर के गोयल आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डा. नीतू जैन, डा.साक्षी मालिक, डा श्वेता अग्रवाल ने संयुक्त रूप से किया।

**दमोह मे कोतवाली पुलिस को मिली बड़ी सफलता**

# लाखो रूपये कि कीमती 60 पेटी पकड़ी अवैध शराब

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ ।

दमोह, दमोह मे कोतवाली पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है, जिसमे कोतवाली पुलिस ने मुखबिर कि सूचना पर 60 पेटी अबैध शराब पकड़ने मे सफलता पाई है जिसके बाद पुलिस ने मामले मे जाँच शुरू करदीं है, वही मामले मे जानकारी अनुसार बताया जा रहा है कि, घटना शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले हटा तिराहा कि है, जहा पर एक पिकअप मे दो अबैध शराब लेकर जा रहे है, जिसकी सूचना कोतवाली पुलिस को लगी,वही सूचना के तत्काल बाद कोतवाली पुलिस ने घेराबंदी कर अबैध शराब से भरी पिकअप को हिरासत मे ले लिया,वही मोके से इस दौरान एक आरोपी भागने मे सफल हो गया, जिसके बाद पुलिस ने चालक और अबैध शराब से भारी पिकअप को हिरासत मे लेकर कार्यवाही शुरू कर दीं, मामले मे जानकारी देते हुए कोतवाली थाना प्रभारी आनंद सिँह ने बताया कि, पकड़ी गई शराब कि कीमत करीब 4 लाख रूपये है,साथ मे चरण सिंह लोधी नाम के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है वही दूसरे फरार आरोपी राघवेंद्र सिंह की तलाश में पुलिस की टीम जुट गई है.

# रैली निकाल सेमली चाचा के ग्रामीणों ने किया मतदान का बहिष्कार

**बुजुर्ग व दिव्यांग मतदाताओं ने भी नहीं किया था मतदान**

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ।

शाजापुर. जिले के सेमली चाचा गांव के ग्रामीणों द्वारा 13 मई को होने वाले मतदान का बहिष्कार करने का निर्णय लिया है। रविवार को भी ग्रामीणों ने गांव में रेली निकाली। वहीं कुछ दिन पहले दिव्यांग ओर बुजुर्ग मतदाताओं से मतदान कराने पहुंची टीम को भी खाली हाथ लौटना पड़ा था। ग्रामीण फौजी की हत्या के मामले में आरोपी बनाए गए गांव के चार युवकों की गिरफ्तारी के मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग कर रहे है। इसके पहले भी ग्रामीणों ने कलेक्टर सहित अन्य अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर उच्च स्तरीय जांच की मांग की थी और बताया था कि जब तक उच्च स्तरीय जांच नहीं होगी वे किसी भी प्रकार के

चुनाव में मतदान नहीं करेंगे। यही वजह थी कि दिव्यांग और बुजुर्ग मतदाताओं के वोट लेने पहुंची टीम को भी खाली हाथ लौटना पड़ा था। वहीं 13 मई को चौथे चरण के लिए होने वाले मतदान का भी ग्रामीणों ने बहिष्कार करने का निर्णय लिया है। इसके लिए ग्रामीणों ने गांव में रैली निकाली, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

# कलेक्टर एवं एसपी ने किया शहर के विभिन्न मतदान केन्द्रों का निरीक्षण

**लेक्टर : अभिकर्ताओं को सुबह 5.30 बजे बुलाकर मॉकपोल की प्रक्रिया प्रात: 6.30 बजे तक पूर्ण कराएं**

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ ।

शाजापुर, जिले में स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण सुव्यवस्थित मतदान संपन्न करने के लिए मतदान सामग्री के साथ सभी मतदान दल मतदान केंद्रो पर पहुंच गए हैं। कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना एवं पुलिस अधीक्षक श्री यशपाल सिंह राजपूत ने रविवार को शाजापुर नगर के आदर्श मतदान केन्द्र पिंक बूथ क्रमांक 161 एवं 162 नगरपालिका कम्युनिटी हॉल, आदर्श मतदान केन्द्र 153 कृषि उपज मंडी, 157 जनपद पंचायत कार्यालय, 158 अनुविभागीय अधिकारी कृषि कार्यालय, 205 एमजी कान्वेंट विद्यालय तथा मक्सी के 251, 252, 255 एवं 256 कन्या माध्यमिक विद्यालय मक्सी, 257 एवं 261 पिंक बूथ तिलक हायरसेकेण्डरी स्कूल मक्सी, आदर्श मतदान केन्द्र 264 उप तहसील कार्यालय मक्सी का निरीक्षण कर मतदान दलों के सदस्यों के मतदान केन्द्रों पर पहुंचने का जायजा लिया। कलेक्टर ने सभी मतदान अधिकारियों को निर्देश दिये कि अभिकर्ताओं को सुबह 5.30 बजे बुलाकर मॉकपोल की प्रक्रिया प्रात- 6.30 बजे तक पूर्ण कराएं। किसी भी हालत में प्रात: 7.00 बजे से मतदान शुरू कराएं। सभी मतदान अधिकारी आयोग के निर्देशानुसार चरणबद्ध रूप से मतदान की कार्रवाई संपन्न

कराएं। कलेक्टर एवं एसपी ने मतदान केंद्रो पर सुरक्षा की व्यवस्था, सुचारू मतदान के लिए व्यवस्था, मतदाताओं के लिए छाया, कूलर, टेंट, व्हीलचेयर आदि के प्रबंधो का मौके पर अवलोकन किया। कलेक्टर ने मतदान दलों व सुरक्षा जवानों के लिए पर्याप्त पेयजल चाय नाश्ता एवं भोजन की व्यवस्था करने के निर्देश भी संबंधितों को दिए। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी बीएलओ यह सुनिश्चित करें कि मतदान केंद्र की 200 मीटर की परिधि में कोई भी मतदाता या व्यक्ति मोबाइल के साथ प्रवेश न कर पाए। उन्होंने गर्मी को देखते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं मतदान केंद्र पर सुनिश्चित करने के निर्देश भी संबंध स्थानीय निकायों के अधिकारियों को दिए हैं। इस अवसर पर सहायक कलेक्टर श्री शिवम यादव, जिला पंचायत सीईओ श्री संतोष टैगोर, नगरपालिका शाजापुर सीएमओ डॉ. मधु सक्सेना तथा मक्सी में सीएमओ श्री अशफाक खान, नायब तहसीलदार श्री गौरव पोरवाल एवं श्री जितेन्द्र चौरसिया भी उपस्थित थे।

# मिशन कंपाउंड कॉलोनी में एक व्यक्ति ने जहरीले पदार्थ का किया सेवन, हुई मौत

**पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा**

गौरव सिंघल । सिटी चीफ।

सहारनपुर, सहारनपुर जनपद के थाना सदर बाजार क्षेत्र की मिशन कंपाउंड कॉलोनी में एक व्यक्ति ने जहरीला पदार्थ खा लिया। जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सहारनपुर जनपद के थाना सदर बाजार क्षेत्र की मिशन कंपाउंड कॉलोनी में विनीत जॉन (41) पुत्र एआर जॉन ने जहरीला पदार्थ खा लिया। जिससे उनकी मौत हो गई। पुलिस ने उनके शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मिशन कंपाउंड निवासी विनीत जॉन प्राइवेट शिक्षक थे। पुलिस ने बताया कि विनीत जॉन पिछले कुछ दिनों से परेशान चल रहे थे। जिसकी वजह से उन्होंने बीती देर रात जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। पड़ोसी उन्हें शहर के दिल्ली रोड स्थित एक निजी अस्पताल ले गए। जहां उनकी हालत देखकर डॉक्टरों

उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया। चंडीगढ़ ले जाते समय रास्ते में उनकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मृतक की 13 साल पहले शादी हुई थी। पिछले डेढ़ साल से उसकी पत्नी अपने मायके में रह रही थी। वह काफी परेशान था। उसकी एक बेटी है, जो अपनी मां के साथ ही रह रही है। वह अकेले ही यहां रहता था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

**सहारनपुर में न्यूनतम तापमान 24 डिग्री पर पहुंचा**

# गर्मी का असर बढ़ा

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।

सहारनपुर, सहारनपुर में न्यूनतम तापमान 24 डिग्री पर पहुंच गया है, जिसके चलते गर्मी का असर बढ़ा है। मौसम विभाग ने जनपद में बादल छाए रहने का अनुमान जताया है। अगले तीन दिन में हल्की बूंदाबांदी भी हो सकती है। जनपद के कुछ क्षेत्रों में शुक्रवार रात बेहद हल्की बूंदाबांदी हुई। रात में हल्के बादलों के साथ तेज हवा चल रही थी। शनिवार सुबह हल्के बादल लेकर आई, लेकिन करीब दस बजे तक बादल छट गए। इसके बाद पूर्वाह्न 11 बजे आसमान बादलों से घिर गया। बादलों की आवाजाही के बावजूद तापमान पर इसका कोई असर नहीं पड़ा, बल्कि अधिकतम तापमान में वृद्धि दर्ज की गई। न्यूनतम तापमान दो दिन पहले शुक्रवार को 24 था, जो शनिवार को भी 24 डिग्री सेल्सियस रहा। अधिकतम तापमान जो शुक्रवार को 36 था, वह शनिवार को बढ़कर 36.5 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। रविवार को भी कडी धूप रही। जिससे जबरदस्त गर्मी का प्रकोप बना रहा।

**आगामी 19 मई को जनपद सहारनपुर में भगवान परशुराम जन्मोत्सव के उपलक्ष में भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी**

**शोभायात्रा प्रात: 8:30 बजे हरि मंदिर आवास विकास से प्रारंभ होकर जनमंच पहुंचेगी**

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।

सहारनपुर, आगामी 19 मई को जनपद सहारनपुर में भगवान परशुराम जन्मोत्सव के उपलक्ष में भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। शोभायात्रा को लेकर आज अतुल पाराशर के आवास पर ब्राह्मण समाज के गणमान्य व्यक्तियों की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में सुरेंद्र शर्मा, सुरेंद्र कपिल, डॉक्टर हर्षवर्धन शर्मा, डॉ सुनील शांडिल्य, पंडित आनंद शर्मा, पंडित अरविंद शर्मा एडवोकेट, गुरु रविंद्र शर्मा, मुकेश कुश, मुकेश दीक्षित, अनिल शर्मा, नंदकिशोर शर्मा, राजेश पंडित, दिनेश शर्मा, मुकेश शर्मा खजूर वाला, हरिओम मिश्रा, प्रदीप शर्मा, प्रदीप शर्मा गो सदन वाले, दुष्यंत शर्मा, आचार्य रोहित कौशिक, अजय भारद्वाज, राजीव शर्मा, अर्जुन पंडित, हेमन्त शर्मा, अभिषेक पंडित, गौरव शर्मा खजूर वाला, शिवेंद्र पंडित, शुभम शर्मा, अंकुर शर्मा, राहुल शर्मा, राहुल कपिल, विनीत शर्मा, संकुल शर्मा, राजेश शर्मा, राजू वासुकांत, सुमित भारद्वाज, कुलदीप शर्मा दलहेड़ी, वरुण कांत, ओमपाल शर्मा आदि

काफी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे। अध्यक्षता शिव कुमार शास्त्री ने की। युवा ब्राह्मण नेता रोहित कौशिक ने बताया कि भगवान परशुराम जन्मोत्सव के उपलक्ष में आगामी 19 मई दिन रविवार को शोभायात्रा प्रात: 8:30 बजे हरि मंदिर आवास विकास से प्रारंभ होकर जनमंच पहुंचेगी।

**सिविल बार एसोसिएशन देवबन्द के वार्षिक चुनाव हेतु विभिन्न पदो के लिए अधिवक्ताओं ने किया अपना नामांकन 14 मई को नाम वापसी तथा नामांकन प्रपत्रों की जांच**

# 17 मई को मतदान और मतपत्रो की गिनती करके परिणाम किया जाएगा घोषित

गौरव सिंघल । सिटी चीफ।

सहारनपुर । देवबंद, सिविल बार एसोसिएशन देवबन्द के वार्षिक चुनाव हेतु विभिन्न पदो के लिए अधिवक्ताओं ने अपना-अपना नामांकन दाखिल किया। सिविल बार एसोसिएशन देवबन्द के वार्षिक चुनाव हेतु चौ0 प्रमोद कुमार एडवोकेट चुनाव अधिकारी, अनुपम वशिष्ठ एडवोकेट व सुनील कुमार रोड एडवोकेट सह चुनाव अधिकारी के नेतृत्व में चुनावी प्रक्रिया प्रारम्भ होने पर अध्यक्ष पद के लिये नरेश कुमार एडवोकेट, ठाकुर विरेन्द्रपाल सिंह एडवोकेट, ठाकुर जितेन्द्र सिंह एडवोकेट, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिये बालकिशोर त्यागी एडवोकेट, मदनमोहन अग्रवाल एडवोकेट, कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिये आदित्य एडवोकेट, फरमान

एडवोकेट, महासचिव पद के लिये आशीष शर्मा एडवोकेट, शाह फैसल एडवोकेट, मुरसलीन एडवोकेट, सुदेशपाल एडवोकेट, कोषाध्यक्ष पद के लिये संजय कुमार एडवोकेट, सुशील कुमार एडवोकेट, चौ0 संजय एडवोकेट, सह सचिव प्रशासन पद के लिये अमित सिंघल एडवोकेट, सुशील कुमार एडवोकेट, उमा रानी एडवोकेट, सहसचिव पुस्तकालय पद के लिये श्रीमति मोनिका एडवोकेट, सद्दाम एडवोकेट, सुनील कुमार एडवोकेट, सहसचिव प्रकाशन पद के लिये प्रदीप शर्मा एडवोकेट, उमरदराज एडवोकेट, गर्वनिग काउन्सिल पद के लिये समय सिंह पुण्डीर एडवोकेट, कृष्ण कुमार एडवोकेट, राजेन्द्र कुमार एडवोकेट, अशोक कुमार एडवोकेट (15 वर्ष से अधिक वकालत) बिजेन्द्र कुमार एडवोकेट, बब्बर अली एडवोकेट, कर्मजीत एडवोकेट, यूवराज एडवोकेट, सतेन्द्र पालीवाल एडवोकेट (15 वर्ष से कम वकालत) ने अपना-अपना नामांकन किया। दिनांक 14.05.2024 को नाम वापसी तथा नामांकन प्रपत्रो की जांच उपरान्त दिनांक 17.05.2024 को सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजकर 30 मिनट तक मतदान होगा और इसके बाद मतपत्रो की गिनती करके परिणाम घोषित कर दिया जायेगा।

# इंडोनेशिया में लावा की बाढ़ से 34 लोगों की मौत

**जकार्ता:** इंडोनेशिया के पश्चिम सुमात्रा प्रांत में लावा की बाढ़ से मरने वालों की संख्या शनिवार को बढ़कर 34 हो गई, जबकि कम से कम पांच अन्य लोग लापता हैं। यह जानकारी स्थानीय आपदा एजेंसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को दी। प्रांतीय आपदा प्रबंधन और शमन एजेंसी की आपातकालीन इकाई के प्रमुख फजर सुकमा ने फोन पर शिन्हुआ से कहा कि शनिवार शाम को मारापी ज्वालामुखी की ढलान क्षेत्र में बारिश हुई, जिससे लावा की ठंडी बाढ़ आ गई, जिसने तनाह दातार और अगम के रीजेंसी को प्रभावित किया। उन्होंने कहा कि हताहतों की संख्या बढ़कर 34 हो गई है। यह आंकड़ा बढ़ सकता है क्योंकि खोज और बचाव अभियान चल रहा है। कम से कम पांच लोग अब भी लापता हैं। प्रांतीय आपदा प्रबंधन एवं राहत एजेंसी के वरिष्ठ प्रेस अधिकारी मुहर्रिंदो इदवान ने कहा कि इसके अलावा 16 घायलों का इलाज निकटवर्ती अस्पतालों में किया गया है। उन्होंने कहा कि लापता लोगों के लिए, हमने क्षेत्रों में कम से कम दो सूचना केंद्र स्थापित किए हैं। जैसे-जैसे रिपोर्ट आती रहेंगी लापता लोगों की संख्या बदल सकती है। उन्होंने कहा,''लावा की बाढ़ रात में आई जब लोग सो रहे थे। कई इमारतें जलमग्न हो गई।

# रूस के सीमावर्ती शहर में इमारत ढही 6 लोगों की मौत, 20 अन्य घायल

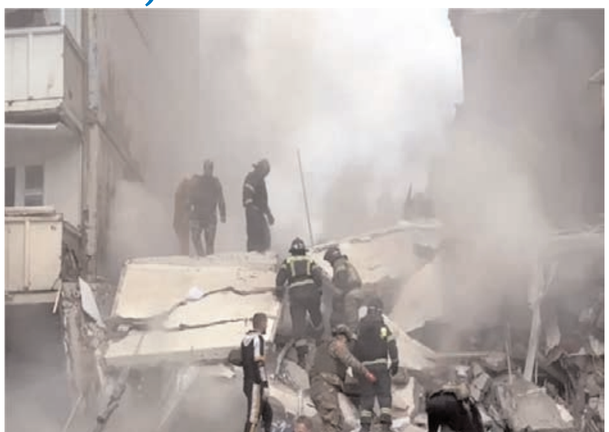

**इंटरनेशनल डेस्क** - रूस के सीमावर्ती शहर बेलगोरोद में रविवार को एक इमारत आंशिक रूप से ढह गयी, जिसके कारण कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने इस घटना के लिए यूक्रेन की ओर से की जाने वाली गोलाबारी को जिम्मेदार ठहराया है। वीडियो फुटेज में बचावकर्मियों को इमारत की क्षतिग्रस्त सीढ़ियों के बीच जीवित लोगों की तलाश करते हुए दिखाया गया, फिर छत का एक हिस्सा जमीन पर गिरने के बाद वे घटनास्थल से चले गए। रूस के आपातकालीन स्थिति मंत्रालय ने कहा कि मलबे से अब तक छह शव निकाले गए हैं। देश की शीर्ष कानून प्रवर्तन एजेंसी रूसी जांच समिति ने एक बयान में कहा कि 10 मंजिला इमारत यूक्रेन की ओर से की गयी गोलाबारी के कारण ढही। रूसी रक्षा मंत्रालय ने बाद में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लिखा कि इमारत एक मिसाइल के टुकड़ों से क्षतिग्रस्त हो गई थी।

# सर्गेई शोइगु होंगे रूस के नए रक्षा मंत्री, राष्ट्रपति पुतिन ने रखा प्रस्ताव

**इंटरनेशनल डेस्क:** रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पांचवीं बार राष्ट्रपति बनते ही सरकार में फेरबदल शुरू कर दिया है। पुतिन ने सर्गेई शोइगु को नया रक्षा मंत्री बनाने का प्रस्ताव रखा है। क्रेमलिन ने रविवार को कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने एक नए रक्षा मंत्री का प्रस्ताव रखा है। क्रेमलिन ने कहा कि पुतिन चाहते हैं कि 2012 से रक्षा मंत्री और लंबे समय से पुतिन के सहयोगी रहे सर्गेई शोइगु,निवर्तमान निकोलाई पेत्रुशेव की जगह रूस की सुरक्षा परिषद के सचिव बनें और उनके पास सैन्य-औद्योगिक परिसर की जिम्मेदारियां भी हों। क्रेमलिन ने कहा कि रूस के जनरल स्टाफ के प्रमुख वालेरी गेरासिमोव और देश के अनुभवी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव अपने पद पर बने रहेंगे।

# 10 नेपाली पर्वतारोहियों ने माउंट एवरेस्ट किया फतह

**काठमांडू**- नेपाल के दस पेशेवर पर्वतारोहियों ने शुक्रवार रात को माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने में सफलता हासिल की। यह इस मौसम में दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर चढ़ने वाला पहला अभियान दल है। इस पर्वतारोहण अभियान का आयोजन करने वाले 'सेवन समिट ट्रैक के कर्मी थानी गुरगैन ने कहा कि डेंडी शेरपा के नेतृत्व में पर्वतारोहियों की टीम शुक्रवार रात सवा आठ बजे 8,848.86 मीटर ऊंची शिखर पर पहुंची। पर्वतारोही रस्सियां लगाते हुए पर्वत शिखर पर पहुंचे। ये रस्सियां पर्वतारोहियों को पर्वत पर चढ़ने में सुविधा प्रदान करेंगी। पर्यटन विभाग के पर्वतारोहण अनुभाग के एक अधिकारी चुन बहादुर तमांग ने शुक्रवार रात एक नोटिस जारी करते हुए कहा कि रस्सी लगाने का काम पूरा होने के बाद माउंट एवरेस्ट अब नेपाल और विदेशी पर्वतारोहियों की चढ़ाई के लिए खुल गया है। रस्सी लगाने का काम शुक्रवार सुबह शुरू हुआ और रात में समाप्त हुआ। विभाग के मुताबिक शुक्रवार को एवरेस्ट पर सफलतापूर्वक चढ़ने वाले अन्य पर्वतीय गाइडों में तेनजिंग ग्यालजेन शेरपा, पेम्बा ताशी शेरपा, लकपा शेरपा, दावा रिनजी शेरपा, दावा शेरपा , पाम सोरजी शेरपा, सुक बहादुर तमांग, नामग्याल दोरजे तमांग और लकपा रिनजी शेरपा शामिल हैं। कुल मिलाकर 41 पर्वतारोहण अभियानों से संबद्ध 414 पर्वतारोहियों को इस सीज़न में एवरेस्ट पर चढ़ने की अनुमति मिली है।

## लोकसभा चुनाव का पहला चरण

# पलामू सीट से वीडी राम और ममता भुइयां के बीच महामुकाबला

**पलामू**- झारखंड के पहले चरण की 4 लोकसभा सीटों पर मतदान शुरू हो गया है। इन 4 सीटों में सिंहभूम, खूंटी, लोहरदगा व पलामू सीट शामिल है। झारखंड में प्रथम चरण के चुनाव में कुल 45 प्रत्याशियों के किस्मत का फैसला होगा, जिसमें पलामू में 09, लोहरदगा में 15, खूंटी में 7 और सिंहभूम में 14 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। इसके अलावा जिन दिग्गजों की किस्मत का फैसला होने वाला है, उसमें केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, काली चरण मुंडा, सुखदेव भगत, समीर उरांव, चमरा लिंडा, गीता कोड़ा, जोबा मांझी, बीडी राम आदि शामिल हैं। वहीं, पलामू लोकसभा सीट पर आरजेडी की उम्मीदवार ममता भुइयां और बीजेपी के वीडी राम की आपस में कांटे की टक्कर है।

**2019 के लोकसभा चुनाव में विजयी रहे थे वीडी राम**

पलामू लोकसभा के इतिहास की बात करें तो यहां सांसद बदलते रहे हैं, लेकिन पिछले 10 साल से बीजेपी के वीडी राम सांसद ने इस रिकॉर्ड को तोड़ने का काम किया। वर्ष 2019 के चुनाव में करीब पांच लाख के अंतर से चुनाव में विजयी रहे वीडी राम के सामने अपने ही रिकॉर्ड को तोड़ने की चुनौती है। वर्ष 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में विजयी रहे वीडी राम इस बार हैट्रिक लगाने के लिए गांव-गांव घूम रहे है। बीजेपी नेताओं का दावा है कि वीडी राम ने पिछले दस साल में क्षेत्र के विकास के लिए कई काम किए। इस दौरान उन्होंने इंफ्रास्टक्चर, रेलवे और बड़ी सिंचाई परियोजनाओं को धरातल पर उतारने का प्रयास किया। वीडी राम की छवि बेदाग रही है। वे लगातार जनता के बीच रहते हैं और राजनीतिक बयानबाजी से दूरी बनाए रखते हैं, जिसका फायदा उन्हें चुनाव में मिल रहा है। पुलिस सेवा के शीर्ष पद पर रहने की वजह से जनता से जुड़ी समस्याओं से निपटने में भी आसानी होती है। जबकि पुलिस का बड़ा असफर होने की वजह से अनुसूचित जाति समेत सभी वर्गों में उनका बड़ा सम्मान है।

**चुनाव प्रचार के अंतिम दिन कल्पना सोरेन ने ममता भुइयां के लिए किया प्रचार**

ममता भुइयां मूल रूप से पलामू जिले की रहने वाली हैं। उनकी शादी जमशेदपुर में हुई हैं। उनके पति के बड़े भाई दुलाल भुइयां पूर्व में विधायक और मंत्री रह चुके हैं। ममता भुइयां भी पूर्व में बीजेपी में ही थीं, लेकिन वीडी राम को टिकट मिलने की घोषणा के साथ ही पाला बदल कर आरजेडी में शामिल हो गईं और पटना में आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव से मुलाकात की। लालू प्रसाद ने इंडिया अलायंस में सीट शेयरिंग की घोषणा के पहले ही ममता भुइयां को पार्टी का सिंबल सौंप दिया था। ममता भुइयां के साथ प्लस प्वाइंट है कि वो जिस समाज से आती हैं, उसकी आबादी पलामू में करीब साढ़े चार लाख है। लेकिन उनके पास किसी तरह का राजनीतिक अनुभव नहीं हैं। हालांकि एक फैक्टर यह भी है कि उनके भाई छतरपुर से जेएमएम के टिकट पर चुनाव लड़ चुके हैं, वहीं चुनाव में उनके पति और भाई के अलावा जेएमएम-कांग्रेस और नेता भी सहयोग कर रहे हैं। चुनाव प्रचार के अंतिम दिन जेएमएम की कल्पना सोरेन ने भी ममता भुइयां के लिए चुनाव प्रचार किया।

## MDH मसालों से कैंसर का खतरा

# अब अमेरिका ने किया रिजेक्ट, स्वास्थ्य चेतावनी जारी

**हैदराबाद**- लोकप्रिय भारतीय मसाला ब्रांड स्ख्र॥, कुछ उत्पादों में कथित संदूषण के लिए जांच के दायरे में है, 2021 के बाद से इसके अमेरिकी शिपमेंट का औसतन 14.5 प्रतिशत बैक्टीरिया की उपस्थिति के कारण खारिज कर दिया गया है, जैसा कि अमेरिकी नियामक डेटा के एक रॉयटर्स विश्लेषण से पता चला है। हांगकांग ने पिछले महीने स्ख्र॥ द्वारा बनाए गए तीन मसाला मिश्रणों और एक अन्य भारतीय कंपनी एवरेस्ट द्वारा बनाए गए मसाला मिश्रण की बिक्री को निलंबित कर दिया था, क्योंकि इसमें स्पष्ट रूप से कैंसर पैदा करने वाले कीटनाशकों की उच्च मात्रा थी। एथिलीन ऑक्साइड मानव उपभोग के लिए अनुपयुक्त है और लंबे समय तक इसके संपर्क में रहने से कैंसर का खतरा है। कंपनियों ने कहा है कि उनके उत्पाद सुरक्षित हैं और स्ख्र॥ ने कहा कि वह मसालों के भंडारण, प्रसंस्करण या पैकिंग के किसी भी चरण में एथिलीन ऑक्साइड का उपयोग नहीं करता है। संयुक्त राज्य अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और भारत के अधिकारी इस मामले को देख रहे हैं। दोनों ब्रांड भारत में लोकप्रिय हैं और दुनिया भर में निर्यात किए जाते हैं।

भारत दुनिया का सबसे बड़ा मसाला उत्पादक है और मसालों का सबसे बड़ा उपभोक्ता और निर्यातक भी है। सिय्योन मार्केट रिसर्च का अनुमान है कि 2022 में भारत का घरेलू बाजार 10.44 बिलियन डॉलर का था, और मसाला बोर्ड ने कहा कि भारत ने 2022-23 के दौरान 4 बिलियन डॉलर के उत्पादों का निर्यात किया। नवीनतम जांच से पहले, 100 साल से अधिक पुरानी परिवार संचालित भारतीय कंपनी एमडीएच के उत्पादों को साल्मोनेला, एक बैक्टीरिया जो गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल बीमारी का कारण बन सकता है, की उपस्थिति के कारण संयुक्त राज्य अमेरिका में बिक्री के लिए अस्वीकार कर दिया गया था। यूएस फ़ूड से रॉयटर्स द्वारा संकलित नवीनतम उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर 2023 - जब चालू वित्तीय वर्ष शुरू हुआ - और 3 मई के बीच साल्मोनेला की जांच में विफल होने के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका में एमडीएच के 65 शिपमेंट में से लगभग 20त्न या 13 को अस्वीकार कर दिया गया था। और औषधि प्रशासन (एफडीए)। एफडीए ने यह नहीं बताया कि प्रत्येक शिपमेंट में कितनी मात्रा शामिल थी, लेकिन आंकड़ों के मुताबिक, खारिज किए गए 13 शिपमेंट में मिश्रित मसाले और सीज़निंग के साथ-साथ मेथी भी शामिल थी। आंकड़ों से पता चलता है कि वित्तीय वर्ष 2022-23 में, 119 एमडीएच शिपमेंट में से लगभग 15 प्रतिशत को ज्यादातर साल्मोनेला संदूषण के कारण खारिज कर दिया गया था, जबकि 2021-22 के दौरान अस्वीकृति 8.19त्न थी। संयुक्त राज्य अमेरिका में एवरेस्ट को कम अस्वीकृत किया गया है, चालू 2023-24 वर्ष में 450 शिपमेंट में से केवल एक को साल्मोनेला के लिए अब तक अस्वीकृत किया गया है। आंकड़ों से पता चलता है कि 2022-23 में एवरेस्ट के लगभग 3.7 प्रतिशत अमेरिकी शिपमेंट रोक दिए गए थे और एक साल पहले अमेरिका के 189 शिपमेंट में कोई अस्वीकृति नहीं थी। एफडीए डेटा पर सवालों के जवाब में एमडीएच के प्रवक्ता ने कहा कि उसके उत्पाद सुरक्षित हैं। एवरेस्ट ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2023-2024 में उसके अमेरिकी शिपमेंट की %असाधारण% अस्वीकृति दर 1त्न से कम थी, उन्होंने कहा कि उनके उत्पाद सुरक्षित हैं। यूएस एफडीए और मसाला बोर्ड ने टिप्पणी के अनुरोधों का जवाब नहीं दिया।

# अमीर देशों में बिल्कुल नहीं या कम बच्चे पैदा कर रहीं महिलाएं, जानें क्या हैं कारण ?

**मेलबर्न:** यूएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन की एक हालिया रिपोर्ट से पता चलता है कि 2023 में अमेरिका की प्रजनन दर में 2 प्रतिशत की गिरावट आई है। कोविड????-19 महामारी के चरम के समय प्रजनन दर में अस्थायी वृद्धि को छोड़कर, 1971 के बाद से अमेरिकी प्रजनन दर लगातार गिर रही है। ऑस्ट्रेलिया एक समान पैटर्न प्रदर्शित करता है। ऑस्ट्रेलियाई महिलाओं को अधिक बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए 卐बेबी बोनस卐 में निवेश करने के सरकारी प्रयासों के बावजूद 2007 से प्रजनन क्षमता में गिरावट आई है। अधिक वैश्विक परिप्रेक्ष्य में, हम अन्य औद्योगिक देशों में समान पैटर्न देख सकते हैं- जापान, दक्षिण कोरिया और इटली में वैश्विक प्रजनन दर सबसे कम है।

इसकी परवाह क्यों करनी चाहिए? मेलबर्न विश्वविद्यालय में समाजशास्त्र के प्रोफेसर और द फ्यूचर ऑफ वर्क लैब के संस्थापक निदेशक लीह रूपैनर की रिपोर्ट अनुसार हमें माता-पिता दोनों के मरने के बाद उनकी जगह लेने के लिए पर्याप्त बच्चे पैदा करने की ज़रूरत होती है - एक बच्चा माँ की जगह लेता है और दूसरा पिता की जगह लेता है, और शिशु मृत्यु दर के लिए थोड़ा अतिरिक्त। संक्षेप में, यदि हम चाहते हैं कि जनसंख्या बढ़े, तो हमें महिलाओं को दो से अधिक बच्चे पैदा करने की आवश्यकता है। दूसरे विश्व युद्ध के बाद ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन और अमेरिका जैसे कई पश्चिमी देशों में बिल्कुल यही हुआ था। महिलाएं 2.1 से अधिक बच्चों को जन्म दे रही थीं, जिसके परिणामस्वरूप शिशु जन्म में वृद्धि हुई। कई परिवारों में तीन या अधिक बच्चे हो गए। इस प्रकार की जनसंख्या संरचना, प्रतिस्थापन या कुछ वृद्धि, युवा और वृद्धों को समर्थन देने के लिए स्वस्थ-कार्यशील आयु वाली जनसंख्या बनाने के लिए महत्वपूर्ण है। लेकिन, कई देशों में प्रजनन दर प्रतिस्थापन स्तर से कम है, जिसका मतलब है कि जनसंख्या कम हो रही है। अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया में वर्तमान प्रजनन दर 1.6 है। ब्रिटेन में यह 1.4 है. वहीं दक्षिण कोरिया में यह 0.68 है। इसलिए, ये देश सिकुड़ रहे हैं, और दक्षिण कोरिया के मामले में, तेजी से सिकुड़ रहे हैं। इसका मतलब यह है कि इन देशों में जितने लोग पैदा हो रहे हैं उससे ज्यादा लोग मर रहे हैं। परिणामस्वरूप, जनसंख्या वृद्ध हो रही है, गरीब हो रही है और अपनी देखभाल के लिए दूसरों पर अधिक निर्भर हो रही है। दक्षिण कोरिया या इटली जैसे देश के लिए यह फिलहाल एक समस्या है। और, ऑस्ट्रेलिया में, यह निकट भविष्य के लिए एक समस्या होगी। किसी को तो वृद्ध होती जनसंख्या की देखभाल करनी ही होगी। कौन और कैसे का प्रश्न नीतिगत महत्व बढ़ाएगा। क्यों घट रही है प्रजनन क्षमता?

## महिलाएं अधिक बच्चे क्यों नहीं पैदा कर रही हैं?

महिलाएं अब पहले से कहीं बेहतर शिक्षित हैं। महिलाओं की शिक्षा दशकों से लगातार बढ़ रही है।

ऑस्ट्रेलियाई महिलाएं अब पुरुषों की तुलना में बेहतर शिक्षित हैं। ऑस्ट्रेलिया में दुनिया की सबसे अधिक शिक्षित महिलाएँ हैं

शिक्षा कई कारणों से प्रजनन क्षमता में देरी करती है।

सबसे पहले, यह पहले जन्म की उम्र को बढ़ा देती है क्योंकि महिलाएं स्कूल में लंबा समय बिता रही हैं।

दूसरा, यह महिलाओं को अधिक संसाधन देता है जिससे वे डिग्री पूरी करने के बाद कुछ काम करना चाहती हैं।

यही वजह है कि महिलाएं अब किशोरावस्था और 20 की उम्र में बच्चे पैदा नहीं कर रही हैं क्योंकि वे अपनी शिक्षा प्राप्त कर रही हैं और अपना करियर शुरू कर रही हैं।

युवाओं को हर चीज़ में देरी हो रही है। युवा लोगों के लिए वयस्कता के पारंपरिक संकेतक - स्थिर नौकरियां और पहला घर खरीदना - हासिल करना बहुत कठिन है।

अक्सर ये ऐसे कारक होते हैं जिन्हें पहले बच्चे के जन्म के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। इसलिए, कई युवा आर्थिक और आवास असुरक्षा के कारण प्रजनन क्षमता में देरी कर रहे हैं।

इसके अलावा, अब हमारे पास सुरक्षित और प्रभावी गर्भनिरोधक है, जिसका अर्थ है कि विवाह के बाहर यौन संबंध संभव है और प्रजनन के बिना यौन संबंध की लगभग गारंटी दी जा सकती है। इन सबका मतलब है कि माता-पिता बनने में देरी हो रही है।

बच्चे पालना एक महंगा और समय लेने वाला काम है। कई औद्योगिक देशों में, बच्चों के पालने पर आने वाली लागत बहुत अधिक है। ऑस्ट्रेलिया में बच्चों की देखभाल की औसत लागत मुद्रास्फीति से अधिक हो गई है।

स्कूल की ट्यूशन फीस, यहां तक कि पब्लिक स्कूलों के लिए भी, माता-पिता के बजट का एक महत्वपूर्ण हिस्सा खर्च कर देती है। यदि आप इसे अधिक बच्चों से गुणा करते हैं, तो लागत बढ़ जाती है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569